RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:260 ता. 12 अप्रेल 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

गैंगस्टर अतीक अहमद की फिर बढ़ीं धड़कनें, गुजरात से यूपी का करना होगा सफर; उमेश पाल हत्याकांड में बड़ा ऐक्शन

अहमदाबाद। गुजरात की साबरमती जेल में बंद गैंगस्टर अतीक अहमद को एक बार फिर उत्तर प्रदेश ले जाया जा सकता है। यूपी पुलिस की एक टीम अहमदाबाद के साबरमती जेल में पहुंच चुकी है। हाल ही में अतीक को यूपी ले जाया गया था, जब उसे वहां एक पुराने केस में उम्रकैद की सजा सुनाई गई। अब उमेश पाल हत्याकांड में अतीक को आरोपी बनाया गया है और वारंट लेकर यूपी पुलिस उसे गिरफ्तार करने पहुंची है। यूपी पुलिस ने अतीक को अपने कब्जे में लेने के लिए प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। माना जा रहा है कि कागजी कार्यवाही पूरी करने के बाद आज ही किसी वक्त अतीक को यूपी के लिए रवाना किया जा सकता है। हालांकि, अभी यह तय नहीं है कि अतीक को किस तरह यूपी ले जाया जाएगा। पिछली बार की तरह उसे सड़क के मार्ग से ले जाया जाएगा या इस बार ट्रेन या विमान का सहारा लिया जाएगा, यह साफ नहीं हुआ है। हालांकि, पुलिस कैदी वाहन के साथ पहुंची है और माना जा रहा है कि उसे सड़क मार्ग से ही एक बार फिर यात्रा करनी पड़ सकती है। यह भी संभावना है कि अतीक अहमद को साबरमती जेल से ही वर्चुअल तरीके से कोर्ट में पेश कर दिया जाए। पिछली बार जब अतीक अहमद को प्रयागराज लाया गया था तब अतीक अहमद ने अपनी हत्या की आशंका जाहिर की थी। अतीक के परिजनों ने भी एनकाउंटर का डर जताया था। इससे पहले भी अतीक अहमद ने इस बात की आशंका जताई है कि यूपी में उसकी हत्या हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, अतीक अहमद को साबरमती जेल से यूपी ले जाया गया था।

सेना भर्ती ऑन लाइन परीक्षा 17 से 26 अप्रेल को

कोटा। भारतीय सेना में भर्ती के लिए होने वाली ऑनलाइन सामान्य परीक्षा 17 से 26 अप्रैल तक प्रदेश के 9 शहरों में चिन्हित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक कर्नल इन्द्रजीतसिंह ने बताया कि सेना भर्ती मुख्यालय जयपुर ने 17 से 26 अप्रैल तक राजस्थान के 9 शहरो अजमेर, अलवर, बीकानेर, हनुमानगढ़, जोधपुर, जयपुर, कोटा, सीकर और उदयपुर में ऑनलाइन सामान्य परीक्षा निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी।

सोनिया गांधी बोलीं-जबरदस्ती चुप कराना मुश्किलों का हल नहीं, धार्मिक त्योहार दूसरों को धमकाने का मौका बन गए

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्लियामेंट्री कमेटी की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को पीएम मोदी और उनकी सरकार को लेकर अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि देश को चुप करा देने से देश की परेशानियां हल नहीं हो जाएंगी। पीएम मोदी जरूरी मुद्दों पर चुप हैं। उनकी सरकार के कामकाज से करोड़ों लोगों की जिंदगी प्रभावित होती है, इन्हें लेकर हमारे जो जायज सवाल हैं, उन पर जवाब देने से बचते हैं।

द हिंदू में लिखे आर्टिकल में उन्होंने कई मुद्दों पर खुलकर बात की है। उन्होंने सरकार पर संसद में विपक्ष की आवाज दबाने, सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग, मीडिया की आजादी खत्म करने, देश में नफरत और हिंसा का माहौल बनाने और लोगों की परेशानियों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है।

सोनिया ने इस आर्टिकल में क्या-क्या लिखा

1. प्रधानमंत्री की कथनी-करनी में फर्क

सोनिया ने कहा कि भारत के लोग अब यह जान चुके हैं कि मौजूदा हालात में पीएम मोदी की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। जब वे विपक्ष के खिलाफ गुस्सा जाहिर नहीं कर रहे होते हैं या आज की परेशानियों के लिए बीते जमाने के नेताओं पर आरोप नहीं लगा रहे होते हैं, तो उनके सभी बयानों से जरूरी मुद्दे या तो गायब होते हैं, या वे वे बड़ी-बड़ी, लुभावनी बातें करके इन मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं। हालांकि, उनके एक्शन से साफ पता चलता है कि इस सरकार की असली मंशा क्या है।

2. PM हमारे जायज सवालों पर चुप हैं

सोनिया गांधी ने कहा कि देश को चुप करा देने से देश की परेशानियां हल नहीं हो जाएंगी। पीएम मोदी जरूरी मुद्दों पर चुप हैं, उनकी सरकार के कामकाज से करोड़ों लोगों की जिंदगी प्रभावित होती है, इन्हें लेकर हमारे जो जायज सवाल हैं, उन पर वे चुप हैं। किसानों की आय को 2022 तक दोगुना करने के अपने वादे को पूरा करने में नाकाम होने के बाद पीएम बड़े आराम से चुप हो गए हैं। लेकिन बढ़ते खर्च और फसल की घटती कीमत वाली उनकी समस्या आज बनी हुई है।

वित्त मंत्री ने अपनी बजट की स्पीच में बेरोजगारी और महंगाई का नाम भी नहीं लिया, जैसे कि ये समस्याएं हैं ही नहीं। उनकी ये चुप्पी उन लोगों के किस काम की है, जो रोजाना दूध, सब्जी, तेल और गैस भी नहीं खरीद पाते हैं। ये चुप्पी उस युवा के किस काम की है जो अब तक की सर्वाधिक बेरोजगारी दर से जूझ रहा है। चीन के साथ बॉर्डर के मसले पर हमने देखा है कि कैसे पीएम मोदी चीनी घुसपैठ को नकारते रहे हैं, सरकार इस मामले में संसद में चर्चा को रोकती आई है और विदेश मंत्री ने हार मान लेने वाला रवैया अपना लिया है।

3. देश में नफरत और हिंसा का माहौल, इसे BJP-RSS ने बढ़ावा दिया

सोनिया ने कहा कि BJP और RSS के

लोगों ने देश में जिस नफरत और हिंसा को बढ़ावा दिया था, वह अब बढ़ती जा रही है और PM इसे इग्नोर कर रहे हैं। उन्होंने एक बार भी शांति या सौहार्द बनाए रखने की बात नहीं कही है या दोषियों पर लगाम कसने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की है, ऐसे में उन्हें सजा मिलना तो दूर की बात है। धार्मिक त्योहार अब खुशी और उत्सव का पर्व नहीं रह गए हैं, बल्कि दूसरों को डराने और परेशान करने का मौका बनकर रह गए हैं। अब लोगों को उनके धर्म, खानपान, जाति, जेंडर और भाषा के आधार पर अलग-थलग किया जाता है।

4. सरकार ने संसद में विपक्ष की आवाज दबाई

उन्होंने कहा कि सरकार के सामने मजबूत विपक्ष था, जो अपने सवालों पर टिका हुआ था। इस वजह से नरेंद्र मोदी सरकार ने विपक्ष की आवाज दबाने के लिए ऐसे कदम उठाए जो पहले कभी नहीं उठाए गए थे। सरकार ने विपक्षी सांसदों की स्पीच हटाई, हमें चर्चा करने से रोका, संसद सदस्यों पर हमला किया और आखिर में तेजी दिखाते हुए एक कांग्रेस सांसद की सदस्यता रद्द कर दी। इस वजह से लोगों के 45 लाख करोड़ रुपए का बजट बिना किसी चर्चा के ही पास हो गया। बल्कि प्रधानमंत्री उस वक्त अपने संसदीय क्षेत्र में प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने में व्यस्त थे, जब लोकसभा में फाइनेंस बिल को जबरदस्ती पारित किया गया था।

5. सरकार ने सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग किया, वह किसी से नहीं छिपा

सोनिया ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने CBI और ED का जो दुरुपयोग किया है, वह सबको पता है। 95 प्रतिशत से ज्यादा राजनैतिक केस सिर्फ विपक्षी पार्टियों के खिलाफ दाखिल किए गए हैं और और वे लोग जो भाजपा जॉइन कर लेते हैं, उनके खिलाफ केस चमत्कारिक रूप से गायब हो जाते हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों का जर्नलिस्ट्स, एक्टिविस्ट्स और प्रतिष्ठित थिंक-टैंक के खिलाफ किया गया इस्तेमाल अप्रत्याशित है। PM सच्चाई और न्याय के लिए बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन PM के चुने गए एक बिजनेसमैन पर जब फॉड का आरोप लगता है, तो वह नजरअंदाज कर दिया जाता है। इंटरपोल ने एक भगौड़े मेहुल चोकसी के खिलाफ नोटिस वापस ले लिया और बिलकिस बानो के रेप के दोषियों को रिहा कर दिया गया, जिसके बाद वे भाजपा नेताओं के साथ मंच साझा करते दिखे। न्यायपालिका की विश्वसनीयता को खत्म करने की व्यवस्थित कोशिशें अब चरम पर पहुंच गई हैं। केंद्रीय कानून मंत्री रिटायर्ड जजों को एंटी-नेशनल कहते हैं और धमकी देते हैं कि उन्हें कीमत चुकानी पड़ेगी। यह भाषा जानबूझकर लोगों को गुमराह करने और पदों पर बैठे जजों को डराने के लिए इस्तेमाल की जाती है।

6. सरकार की आलोचना देश की आलोचना नहीं, ये बात सुप्रीम कोर्ट ने कही

उन्होंने कहा कि मीडिया की आजादी तो काफी पहले ही सरकार की राजनीतिक धमकियों की भेंट चढ़ चुकी है। इसमें भाजपा के दोस्तों का आर्थिक दखल बड़ा कारण है। अब न्यूज चैनलों पर शाम की डिबेट सरकार से सवाल करने वालों को चुप कराने के लिए होती है। इतना ही नहीं, सरकार ने इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के नियमों में बदलाव करके खुद को ये कानूनी ताकत भी दे दी है कि फेक न्यूज का लेबल लगाकर किसी भी खबर की कानूनी सुरक्षा को खत्म कर सकते हैं।

भारत के सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में साफ किया था कि सरकार की आलोचना करना कानूनी एक्शन का आधार नहीं होना चाहिए। क्या सरकार सुन रही है? इसमें कोई शक नहीं है कि भाजपा और RSS के वकीलों की एक फौज हर उस प्लेटफॉर्म को परेशान करने के लिए तैयार रहते हैं तो उनके महान नेता के बारे में आलोचना प्रकाशित करता है।

7. PM को लोकतंत्र और अपने लोकतांत्रिक दायित्व से नफरत

सोनिया ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में पीएम मोदी और उनकी सरकार ने भारतीय लोकतंत्र के तीनों स्तंभों- न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधानमंडल को उखाड़कर फेंक दिया है। PM के एक्शन बताते हैं कि उन्हें लोकतंत्र और लोकतांत्रिक जवाबदेही से कितनी नफरत है।

बारामूला में लश्कर के दो आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक महिला भी शामिल है।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार किये गये आतंकवादियों के खुलासे पर हथियार और गोला बारूद भी बरामद किया गया है।

पुलिस ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर बारामूला पुलिस, सेना 29 राष्ट्रीय रायफल (आरआर) और सशस्त्र सीमा बल की दूसरी बटालियन के संयुक्त बलों ने पट्टन इलाके में इस आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। उन्होंने बताया कि लश्कर के गिरफ्तार आतंकवादियों की पहचान पार मोहल्ला पट्टन निवासी फारूक

अहमद पारा और चिंकीपोरा, सोपोर निवासी सायमा बशीर के रूप में की गयी है। आतंकवादियों के पास से एक पिस्तौल, पिस्तौल की दो मैगजीन, पिस्तौल के पांच राउंड, पांच आईईडी और करीब दो किलोग्राम का एक रिमोट कंट्रोल चालित शक्तिशाली विस्फोटक बरामद किया गया है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ में गिरफ्तार किये गये आतंकवादियों ने खुलासा किया कि वे दोनों वूसन पट्टन के एक सक्रिय लश्कर आतंकवादी आबिद कयूम लोन के सहयोगियों के रूप में काम कर रहे थे।

सचिन पायलट का अनशन पार्टी विरोधी-रंधावा

जयपुर। राजस्थान में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पायलट के पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे सरकार के समय भ्रष्टाचार के मामलों की जांच को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ एक दिन का अनशन शुरू करने से पहले राज्य में पार्टी प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने इसे पार्टी विरोधी कदम बताया है।

श्री रंधावा ने सोमवार देर रात बयान जारी कर कहा सचिन पायलट का दिन भर का अनशन पार्टी के हितों के खिलाफ है और पार्टी विरोधी गतिविधि है। अगर अपनी ही सरकार के साथ उनकी कोई समस्या है तो मीडिया और जनता के बजाय पार्टी के प्लेटफॉर्म पर चर्चा की जा सकती है। मैं पिछले पांच महीनों से

रंधावा ने सोमवार देर रात बयान जारी कर कहा सचिन पायलट का दिन भर का अनशन पार्टी के हितों के खिलाफ है और पार्टी विरोधी गतिविधि है। अगर अपनी ही सरकार के साथ उनकी कोई समस्या है तो मीडिया और जनता के बजाय पार्टी के प्लेटफॉर्म पर चर्चा की जा सकती है।

एआईसीसी प्रभारी हूं, लेकिन पायलटजी ने इस मुद्दे पर कभी भी मुझसे चर्चा नहीं की । मैं उनके साथ संपर्क में हूं और अभी भी उनसे शांतिपूर्ण ढंग से बातचीत की अपील करता हूं। क्योंकि वह निर्विवाद रूप से कांग्रेस पार्टी के एक मजबूत स्तंभ हैं।÷

उल्लेखनीय है कि श्री पायलट ने रविवार को घोषणा की थी कि वह वसुंधरा राजे सरकार के समय भ्रष्टाचार के मामलों की जांच की मांग को लेकर शहीद स्मारक पर मंगलवार को अनशन पर बैठेंगे। श्री पायलट ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा था कि उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को दो बार पत्र लिखकर इस मामले की जांच कराने का आग्रह किया था लेकिन सरकार के साढ़े चार साल बीत जाने के बाद भी कोई कदम नहीं उठाया गया, ऐसे में उन्हें अनशन करने का निर्णय लेना पड़ रहा है।

दिल्ली के कीर्ति नगर में देर रात फ्लैट में लगी आग

बुजुर्ग महिला की मौत, बेटे की हालत गंभीर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कीर्ति नगर इलाके में सोमवार रात एक फ्लैट में आग लगने से 78 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा भी बुरी तरह से झुलस गया। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली के कीर्ति नगर इलाके में सोमवार देर रात एक फ्लैट में अचानक आग लग गई। इस आग में झुलसकर 78 वर्षीय बुजुर्ग महिला महेंद्र कौर की मौत हो गई। वहीं, अस्पताल में भर्ती उनके बेटे की हालत गंभीर बनी हुई है। दमकल विभाग को रात 1 बजे की आग लगने की कॉल मिली थी, जिसके बाद मौके पर दमकल टीम को आग पर काबू पाने के लिए मौके पर भेजा गया था। आग घरेलू सामान में लगी थी। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

कोवैक्सीन-कोविशील्ड लगवा चुके लोग ले सकेंगे कोवोवैक्स की डोज, कीमत 225 रुपये

नई दिल्ली। आपने कोरोना से बचाव के लिए भले ही कोविशील्ड या कोवैक्सीन की डोज ली हो, लेकिन अब बूस्टर डोज के तौर पर कोवोवैक्स वैक्सीन लगवा सकेंगे। कोरोना रोधी वैक्सीन कोवोवैक्स 'हेटेरोलागस बूस्टर' डोज के तौर पर रजिस्ट्रेशन के लिए जल्द ही कोविन पोर्टल पर उपलब्ध होगी। इसकी कीमत 225 रुपये प्रति डोज होगी। इसके अलावा इस पर जीएसटी भी लगेगा। 'हेटेरोलागस बूस्टर' का अर्थ है कि दूसरी वैक्सीन लगाने वाले लोगों को बूस्टर डोज के तौर पर 'कोवोवैक्स' लगाई जा सकेगी। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख

कोरोना रोधी वैक्सीन कोवोवैक्स 'हेटेरोलागस बूस्टर' डोज के तौर पर रजिस्ट्रेशन के लिए जल्द ही कोविन पोर्टल पर उपलब्ध होगी। इसकी कीमत 225 रुपये प्रति डोज होगी। इसके अलावा इस पर जीएसटी भी लगेगा। 'हेटेरोलागस बूस्टर' का अर्थ है कि दूसरी वैक्सीन लगाने वाले लोगों को बूस्टर डोज के तौर पर 'कोवोवैक्स' लगाई जा सकेगी।

मांडविया ने सीरम इंस्टीट्यूट की 'कोवोवैक्स' वैक्सीन को वयस्कों के लिए 'हेटेरोलागस बूस्टर' डोज के तौर पर कोविन पोर्टल में शामिल करने को मंजूरी दे दी है।

सीरम इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रकाश सिंह द्वारा 27 मार्च को स्वास्थ्य मंत्रालय को लिखे पत्र के बाद यह कदम उठाया गया है। सीरम के निदेशक ने मंत्रालय को लिखे अपने पत्र में जिक्र किया था कि कोवोवैक्स विश्वस्तरीय टीका है और इसे कोविन पोर्टल पर वयस्कों के लिए 'हेटेरोलागस बूस्टर' डोज के रूप में शामिल किया जाना चाहिए।

पिछले माह कोविड-19 कार्यकारी समूह ने भी स्वास्थ्य मंत्रालय से उन वयस्कों के लिए कोवोवैक्स को हेटेरोलागस बूस्टर डोज के तौर पर पोर्टल में शामिल किए जाने की सिफारिश की थी जिन्होंने कोविशील्ड या कोवैक्सीन की दो डोज ले ली है। इस टीके को विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूएसएफडीए की मंजूरी मिल चुकी है।

कोरोना से निपटने की तैयारियों का पता लगाने के लिए माक ड्रिल-कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच अस्पतालों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सोमवार को देशभर में सरकारी व निजी अस्पतालों में माक ड्रिल का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया दिल्ली में राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचे।

क्रांति के गीत और गांधीवादी अवतार, मौन पायलट 'अनशन' से क्यों कांग्रेस को दे रहे टेंशन?

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सचिन पायलट ने अपनी ही सरकार के खिलाफ 'नई जंग' छेड़ दी है। वादे के मुताबिक पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे सरकार के कथित भ्रष्टाचार की जांच गहलोत सरकार की ओर से नहीं कराए जाने का आरोप लगाते हुए सचिन पायलट ने जयपुर में अनशन की शुरुआत कर दी। मंगलवार सुबह ज्योतिबा फुले और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन करने के बाद पायलट ने अपने मौन अनशन का आगाज किया। इस दौरान वह 'गांधीवादी अवतार' में नजर आए। मंच पर जहां गांधी जी की तस्वीर लगाई गई है तो बापू का प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो...' बजाया जा रहा है। इसके बाद क्रांतिकारी गीत भी गूंजे और समर्थक नाचते नजर आए। अनशन स्थल पर पोस्टर पर महात्मा गांधी की फोटो और वसुंधरा सरकार में हुए भ्रष्टाचार के विरुद्ध अनशन लिखा हुआ है। हजारों समर्थकों की मौजदूगी में पायलट मौन धारण करके मंच पर बैठ गए। वह शाम 5 बजे तक मौन रहेंगे। शहीद स्मारक पर पहुंचने से पहले पायलट ने

यहां 22 गोदाम सर्कल के समीप समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। पायलट अपने आवास से 22 गोदाम सर्कल पहुंचे और ज्योतिबा फुले को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद वह शहीद स्मारक के लिए रवाना हुए जहां बड़ी संख्या में उनके समर्थक मौजूद थे। इस बीच चुनाव से पहले राजस्थान में कांग्रेस की टेंशन चरम पर पहुंच गई है। कांग्रेस ने पायलट के अनशन को पार्टी विरोध करार दिया है। इसके बाद अटकलें हैं कि पार्टी उनके खिलाफ कोई सख्त ऐक्शन भी ले सकती है। गौरतलब है कि पायलट ने वसुंधरा राजे सरकार के समय भ्रष्टाचार के मामलों की जांच की मांग को लेकर शहीद स्मारक पर अनशन पर बैठेने की रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में घोषणा की और कहा था कि उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को दो बार पत्र लिखकर इस मामले की जांच कराने का आग्रह किया था लेकिन सरकार के साढ़े चार साल बीत जाने के बाद भी कोई कदम नहीं उठाया गया, ऐसे में उन्हें अनशन करने का फैसला लेना पड़ा।

महाराष्ट्र में फिर बढ़े कोरोना के मामले, मिले 328 नए मरीज, एक की मौत

-उपचाराधीन मरीजों की संख्या 4 हजार के पार

मुंबई । महाराष्ट्र में कोरोना के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी देखी गई। सोमवार को पिछले दिन के मुकाबले 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ कोरोना वायरस संक्रमण के 328 नये मामले सामने आये, जिससे राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 81 लाख 50 हजार 257 हो गई। राज्य स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। आंकड़ों के अनुसार मुंबई शहर में संक्रमण से एक की मौत हो जाने के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 1 लाख 48 हजार 460 हो गई। महाराष्ट्र में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 788 मामले सामने आए थे और एक की मौत हो गई थी। राज्य में सोमवार को नये मामले सामने आने के बाद उपचाराधीन मरीजों की संख्या 4 हजार 667 हो गई है।

मुंबई के सरकारी अस्पतालों में सभी के लिए मास्क अनिवार्य

मुंबई के सभी सरकारी अस्पतालों में कर्मचारियों, रोगियों और आगंतुकों के लिए मास्क का उपयोग अनिवार्य कर दिया गया है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। बीएमसी ने दक्षिण मुंबई में सरकारी मुख्यालय में नगर आयुक्त इकबाल सिंह चहल द्वारा आयोजित एक कोरोना वायरस समीक्षा बैठक के बाद जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह कदम सुरक्षा उपाय के रूप में उठाया गया है। विज्ञप्ति में यह नहीं बताया गया कि अस्पतालों में मास्क कब से अनिवार्य होगा। बीएमसी ने 60 साल से अधिक उम्र के नागरिकों से एहतियात के तौर पर मास्क पहनने की अपील की। हालांकि, यह उनके लिए अनिवार्य नहीं है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि महानगरपालिका कोविड-19 रोगियों के घर पर एकांतवास के लिए भी दिशा-निर्देश जारी करेगी।

तैयारियों के आंकलन के लिए किया मॉक ड्रिल

महाराष्ट्र में सरकारी अस्पतालों की कोविड-19 तैयारियों का आकलन करने के लिए सोमवार को मॉक ड्रिल की गई। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य की सबसे बड़ी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने वालों में से एक मुंबई के जेजे अस्पताल में एक मॉक ड्रिल ओपीडी में और दूसरी वार्डों में आयोजित की गई, जिसके दौरान दवा भंडारण, एक्स-रे मशीन, ऑक्सीजन आपूर्ति उपकरण और कर्मियों की तैनाती की जांच की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में 7 अप्रैल को हुई कोविड-19 समीक्षा बैठक में यह देखा गया कि महाराष्ट्र 10 प्रतिशत से अधिक संक्रमण दर (जांच किये गये प्रति 100 नमूनों पर) वाले 10 या अधिक जिलों वाले तीन राज्यों में से एक है। महाराष्ट्र में सात अप्रैल को कोरोना वायरस संक्रमण के 926 मामले सामने आये थे, जो 2023 में राज्य के लिए सबसे अधिक मामले थे।

बारामूला में लश्कर के दो आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर। सुरक्षा बलों ने मंगलवार को जम्मू एवं कश्मीर के बारामूला जिले में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और आतंकवादी समूह के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया। विशिष्ट सूचना के आधार पर, स्थानीय पुलिस, राष्ट्रीय राइफल्स और सशस्त्र सीमा बल के कर्मियों सहित सुरक्षा बलों ने पट्टन इलाके में आतंकी मॉड्यूल को उजागर किया। कार्रवाई के मामले में पुलिस ने कहा कि फारूक अहमद पर्रा और साइमा बशीर के रूप में पहचाने गए दो आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करने पर उन्होंने खुलासा किया कि वे वुसान पट्टन इलाके के आबिद कयूम वानी के साथ मिलकर लश्कर के लिए काम कर रहे थे। उनके इस खुलासे के आधार पर एक पिस्टल, पिस्टल की दो मैगजीन, पिस्टल की पांच गोलियां, करीब दो किलो वजन का एक आईईडी और एक रिमोट कंट्रोल उपकरण बरामद किया गया। पुलिस ने कहा, गिरफ्तार किए गए आतं?कियों पर कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एटीएम में जमा करने की बजाय 1.50 करोड़ रुपए लेकर फरार हुआ वैन चालक

पटना। एक वैन चालक एटीएम में कैश जमा करने की बजाय डेढ़ करोड़ रुपये लेकर फरार हो गया है। पुलिस उसे ढूंढने में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार बिहार की राजधानी पटना में एटीएम में कैश जमा करने वाली एक निजी कंपनी के कैश वैन चालक के 1.50 करोड़ रुपए लेकर फरार होने का एक मामला सामने आया है। अगमकुआं के भूतनाथ रोड से निजी कंपनी का कैश वैन सोमवार को एटीएम में रुपए डालने निकला था। इस वैन में चालक के अलावा कंपनी के चार लोग सवार थे। आरोप है कि डंका इमली के पास स्थित आईसीआईसीआई के एटीएम में जैसे ही अन्य कर्मचारी रुपए डालने घुसे पैसे ही चालक वाहन लेकर फरार हो गया। इस वैन को कुल तीन एटीएम में पैसे डालने थे। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि आलमगंज थानान्तर्गत एजीएस सिक्योरिटी सर्विस एजेंसी के एक कैश वैन के गायब होने की सूचना है। डंका इमली चौराहा के पास के आईसीआईसीआई बैंक की शाखा से कैश लाने के क्रम में कैश वैन गायब हुआ था। हालांकि गायब हुये कैश वैन को बरामद कर लिया गया है, लेकिन रुपयों सहित ड्रायवर फरार है। पु?लिस के अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर कैश वैन को बरामद किया गया है। वैन का ड्राइवर व वैन में रखे करीब 1.5 करोड़ रुपए गायब हैं। घटना की सूचना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक, प्रथमदृष्टया यह धोखे के तहत पैसे गायब कर देने का मामला प्रतीत हो रहा है।

फिर मिली सलमान खान को जान से मारने की धमकी, तारीख भी बताई

मुंबई। सलमान खान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। हालांकि सलामान खान पिछले दिनो से काफी चर्चाओं में आ गए हैं। पहला कारण उनकी फिल्म किसी का भाई किसी का जान का ट्रेलर का जारी होना, जिसने आते ही इंटरनेट की दुनिया में तहलका मचाना शुरू कर दिया है। दूसरा कारण यह है कि उन्हें एक बार फिर से जान से मारने की धमकी दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक अज्ञात शख्स ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन करके कहा कि वह सलमान खान को जान से मार देगा। इसके साथ ही शख्स ने एक्टर की हत्या करने की तारीख भी पुलिस को बताई है। इस खबर के सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हडकंप मच गया है। उस अज्ञात शख्स ने सोमवार की रात 9 बजे मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया और कहा कि वह 30 अप्रैल को सलमान खान की हत्या करेगा। इसके साथ ही शख्स ने अपना नाम रॉकी भाई बताया। फिलहाल पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। गौरतलब है कि इससे पहले भी बिश्नोई गैंग ने कभी ईमेल के जरिए तो कभी चिट्ठी लिखकर सलमान को मारने की धमकी दी हैं। हाल ही में जेल में बैठे लॉरेंस बिश्नोई ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में सलमान खान को माफी ना मांगने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। अपने इंटरव्यू में लॉरेंस बिश्नोई ने सरेआम कहा था, काले हिरण के शिकार के मामले में सलमान खान हमारे समाज से माफी मांग ले नहीं तो उसका ठोस जवाब दिया जाएगा। अगर हमारा समाज उन्हें माफ कर देता है तो फिर हमारा कोई लेना-देना नहीं है। बीकानेर से आगे हमारा मंदिर पड़ता है। सलमान खान वहां आकर माफी मांगे। लॉरेंस बिश्नोई ने कहा कि हमारे इलाके में हम हरे पेड़ तक नहीं कटने देते और उन्होंने तो जीव हत्या की है। जिस इलाके में सबसे ज्यादा बिश्नोई समाज के लोग रहते हैं वहां आकर काले हिरण का शिकार किया। हम उनका अहंकार तोड़ देंगे। सलमान खान ने हमारे समाज के लोगों को पैसे भी ऑफर किए थे। हम सलमान खान को शोहरत के लिए नहीं बल्कि मकसद के लिए मारेंगे। शोहरत के लिए किसी को मारना चाहता तो शाहरुख खान को मार देते। केवल इतना ही नहीं पुलिस को लॉरेंस बिश्नोई ने बताया था कि उसने सलमान खान को उनके पनवेल वाले फॉर्म हाउस पर मारने की दो बार कोशिश भी की थी।

एलजी की सक्रियता से दिल्ली सरकार के मंत्री घबराए

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि दिल्ली सरकार के मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज दिल्ली के उपराज्यपाल की सक्रियता से बौखला गए हैं। उन्हें इस बात का डर है कि केजरीवाल सरकार ने पिछले आठ सालों में भ्रष्टाचार किया है, उसकी पोल न खुल जाए। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी पिछले आठ सालों से यमुना सफाई के नाम पर दिल्ली वालों को झूठ बोलकर धोखा दे रही थी। इन आठ सालों में केंद्र सरकार से मिले 6800 करोड़ रुपये तक गबन कर गई। उपराज्यपाल की सक्रियता ने केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार की पोले खोल दी है।

जलवायु परिवर्तन आज दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती: योगी

- वर्ष 2017 के बाद से अब तक उत्तर प्रदेश में 133 करोड़ पौधे लगाए गए

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पूरी दुनिया को पर्यावरण संरक्षण की नई राह दिखाने का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव के साथ इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन-2023 का उदघाटन के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि विकास आज की आवश्यकता है, लेकिन पर्यावरण और प्रकृति के प्रति दायित्वों से भी हम मुक्त नहीं हो सकते। गौरतलब है कि राष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन-2023 का आयोजन भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा सम्मिलित रूप से किया गया है। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि मनुष्य ने अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए प्रकृति का अति दोहन करके जिन दुष्परिणामों को आर्मंत्रित किया है, आज हम सब उसके भुक्तभोगी बन रहे हैं। जलवायु परिवर्तन आज दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती है। विगत सालों में असमय अतिवृष्टि के रूप में हम सबने इसके दुष्परिणामों को देखा है। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा सदैव से पर्यावरण हितैषी रही है और उत्तर प्रदेश में लगातार इस दिशा में कार्य हो रहे हैं। प्रदेशभर में 35 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद से अब तक प्रदेश में 133 करोड़ पौधे लगाने का कार्य हुआ है। यही कारण है कि आज प्रदेश की जनता में भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर सकारात्मक भाव पैदा हुआ है। आदित्यनाथ ने दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आम नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण का भाव पैदा हुआ है और आज हम 100 साल से पुराने वृक्षों को विरासत वृक्ष के रूप में मान्यता देकर उनका संरक्षण कर रहे हैं। प्रदेश में ऐसे कई वृक्ष हैं, जिनके नीचे बैठकर क्रांतिकारियों ने देश की आजादी की रणनीति तय की। भूपेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भारत का विकास इंजन बन रहा है। यहां आयोजित सम्मेलन का दो दिवसीय आयोजन पर्यावरण के क्षेत्र में मील का पत्थर बनेगा। मुख्यमंत्री की सराहना करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के वन्य व प्रकृति प्रेमी होने तथा उनकी सक्रियता के कारण राज्य के रानीपुर अभयारण्य को पिछले वर्ष देश के बाघ अभयारण्य में सम्मिलित किया गया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बाघ अभयारण्य की संख्या बढ़कर तीन हो गई है, इसमें दुधवा, पीलीभीत और रानीपुर सम्मिलित हैं। यादव ने कहा कि गंगा और शिवालिक क्षेत्र के बाघ अभयारण्य में बाघों की संख्या वर्ष 2018 में 646 थी, लेकिन प्रदेश सरकार के प्रयासों से यह अब बढ़कर 804 हो गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री को उत्तर प्रदेश का देश का शीर्ष एथेनॉल उत्पादक राज्य होने के लिए बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन रहा है।

बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र शास्त्री की गिरफ्तारी फिलहाल टली

उदयपुर। पं. धीरेन्द्र शास्त्री की गिरफ्तारी फिलहाल टल गई है। उनपर भडकाऊ भाषण देने का आरोप है। जानकारी के अनुसार बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री की गिरफ्तारी पर राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर ने रोक लगा दी है। अदालत के इस फैसले पर विभिन्न हिन्दू संगठन तथा पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर की है। पंडित धीरेंद्र के खिलाफ उदयपुर के हाथीपोल थाना पुलिस तथा राजसमंद जिले के केलवाड़ा थाना पुलिस ने भडकाऊ भाषण देने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया था। जानकारी के अनुसार जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट की मुख्य पीठ में सोमवार को पंडित धीरेंद्र शास्त्री की गिरफ्तारी पर रोक को लेकर सुनवाई हुई थी। जिस पर हाईकोर्ट ने पंडित धीरेंद्र शास्त्री की गिरफ्तारी पर रोक लगाई है। अगली सुनवाई तक केवल जांच किए जाने की अनुमति दी है। गौरतलब है कि रामनवमी पर उदयपुर के गांधी ग्राउंड में 23 मार्च को धार्मिक सभा में पंड़ित धीरेंद्र शास्त्री ने राजसमंद जिले के कुम्भलगढ़ किले में भगवा झंडा लगवाने का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि डरते तो हम किसी के बाप से नहीं हैं। डरते तो वो हैं जो बुजदिल होते हैं। हम तो वो हैं, जो कुम्भलगढ़ किले में भी भगवा झंडा लगवाकर मानेंगे। युवाओं की भीड़ को आह्वान करते हुए उन्होंने कहा था कि तुम चाहते हो कि वहां भगवा झंडा गढ़े। क्या ये बात सही है, अगर सही तो क्यों चुप बैठे हो। इसके बाद उदयपुर के पांच युवक कुंभलगढ़ पहुंचे थे, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान क्रिप्टोकरेंसी पर होगी अहम चर्चा : सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत क्रिप्टोकरेंसी पर चर्चा एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने वाशिंगटन में लॉन्ग-टर्म के लिए निवेश के अवसरः भारत उदय पर विषय पर एक गोलमेज बैठक में भाग लेते हुए कहा, क्रिप्टोकर्रसीज में इतने सारे पतन और झटकों को देखते हुए हम इस मामले से निपटने के लिए सभी देशों के लिए एक साझा ढांचा विकसित करना चाहते हैं। बैठक की मेजबानी उद्योग निकाय सीआईआई, यूएस इंडिया बिजनेस कार्उंसिल और यूएस चैंबर ने की थी। गोलमेज सम्मेलन में वरिष्ठ अधिकारियों, निजी क्षेत्र के बिजनेस लीडर्स, उद्यम पूंजीपतियों, संस्थागत निवेशकों और पेंशन और बंदोबस्ती निधियों के प्रतिनिधियों सहित निवेशकों के एक विविध समूह ने भाग लिया। सीतारमण ने भारत के सचेत नीति विकल्पों और संरचनात्मक और शासन सुधारों के बारे में समूह को बताया कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को अपनी पूरी क्षमता से विकास करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार समझौतों पर आजकल बहुत तेजी से हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। हमने अभी-अभी ऑस्ट्रेलिया के साथ एक समझौता किया है। इससे पहले हमने संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस और आसियान के साथ किया था। हमने कम से कम विकसित देशों को कोटा-मुक्त और शुल्क-मुक्त व्यवस्था का विस्तार किया है। वित्त मंत्री ने भारत के मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसे ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) और अकाउंट एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म पर भी प्रकाश डाला, जिसने छोटे उद्यमियों को क्रेडिट और अन्य डिजिटल सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाया है।

पपलप्रीत ने पुलिस को बताया अमृतपाल के भागने का पूरा रूट मैप

अमृतसर (एजेंसी)। खालिस्तानी अलगाववादी अमृतपाल सिंह के करीबी साथी पपलप्रीत सिंह ने पुलिस को कई अहम सुराग दिए हैं, जिसमें अमृतपाल के भागने का पूरा रुट मैप भी बताया है। फिलहाल पपलप्रीत को असम के डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया है। गौरतलब है कि पपलप्रीत को कल अमृतसर जिले से राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद अमृतपाल के दूसरे साथियों की तरह उसे भी डिब्रूगढ़ जेल भेजा गया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, डिब्रूगढ़ जेल में ही पपलप्रीत से पूछताछ होगी, क्योंकि पंजाब की जेल में रखने से पुलिस को माहौल खराब होने की आशंका है। डिब्रूगढ़ जेल में पहले से ही अमृतपाल के 8 साथी बंद हैं। यहां अमृतपाल के चाचा हरजीत सिंह, उसका फाइनेंसर दलजीत कल्सी, बसंत सिंह, गुरमीत सिंह, भगवंत सिंह, कुलवंत सिंह धालीवाल, गुरिंदर पाल सिंह को जेल की अलग-अलग कोठरियों में 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी में रखा गया है। भगोड़े अमृतपाल सिंह के साथ ही 18 मार्च से फरार चल रहे पपलप्रीत सिंह ने पुलिस की पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने बताया कि वे इतने लंबे समय तक पुलिस से बचने में कैसे कामयाब रहे। पंजाब पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पपलप्रीत ने बताया कि वे हरियाणा, पटियाला, दिल्ली और पीलीभीत गए और फिर वापस हरियाणा और पंजाब गए। उसने सभी ठिकानों की व्यवस्था करने की बात कबूल की है और बताया कि वे कार और बसों से सफर करते थे या लिफ्ट लेते थे।' पपलप्रीत के मुताबिक, वे 'पुलिस की पिटाई से बचने' के लिए भाग रहे थे। उन्होंने कहा कि एक समय वे आत्मसमर्पण करना चाहते थे, लेकिन पुलिस टॉर्चर के डर से ऐसा नहीं किया। वहीं अमृतपाल के ठौर-ठिकाने को लेकर सवाल पर उसने बताया कि अब अमृतपाल से उसका कोई संपर्क नहीं है। पपलप्रीत ने पुलिस को यह भी बताया कि 'अमृतपाल पंजाब में है, लेकिन पिछले हफ्ते छापेमारी के बाद वे अलग हो गए थे।' पुलिस सूत्रों ने कहा, 'पपलप्रीत पूरा सहयोग करने को तैयार है।'

इतने कम समय में राष्ट्रीय पार्टी? ये किसी चमत्कार से कम नहीं : सीएम अरविंद केजरीवाल

-राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने से चौड़ा हुआ केजरीवाल का सीना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने आम आदमी पार्टी को सोमवार को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्रदान किया। राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने के बाद आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का सीना चौड़ा हो गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि इतने कम समय में राष्ट्रीय पार्टी? ये किसी चमत्कार से कम नहीं। सबको बहुत बहुत बधाई। देश के करोड़ों लोगों ने हमें यहां तक पहुंचाया। लोगों को हमसे बहुत उम्मीद है। आज लोगों ने हमें ये बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी दी है। हे प्रभु, हमें आशीर्वाद दो कि हम ये ज़िम्मेदारी अच्छे से पूरी करें।

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने ट्वीट कर कहा कि सिर्फ 10 साल में अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने वो कर दिखाया, जो बड़ी पार्टियों को करने में दशकों लग गए। हर आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता जिसने इस पार्टी के लिए खून-पसीना बहाया, सत्ता की लाठियों, आंसू गैस और पानी की बौछारों का सामना किया, उन सबको सलाम। इस नये आगाज़ के लिए सबको बधाई।

उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने सोमवार को राष्ट्रीय पार्टी के दर्जे का रिव्यू करते हुए ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), शरद पवार की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा समाप्त कर दिया, जबकि आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया गया है। अब आम आदमी पार्टी देश की नई राष्ट्रीय पार्टी बन गई है।

सीएम शिंदे बाबरी मस्जिद विध्वंस पर भाजपा के मंत्री के बयान को लेकर इस्तीफा दें : उद्धव

मुंबई। (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रकांत पाटिल द्वारा बाबरी मस्जिद विध्वंस में शिवसेना के एक भी कार्यकर्ता के शामिल नहीं होने का दावा करने के एक दिन बाद शिवेसना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को या तो अपने पद से हट जाना चाहिए या फिर पाटिल से उनके बयान को लेकर इस्तीफा मांगना चाहिए। ठाकरे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में मंगलवार को कहा कि जब मस्जिद गिरायी जा रही थी तब चूहे अपने बिलों में छिपे थे। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी का हिंदुत्व 'राष्ट्रवाद' है और भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट करना चाहिए कि उसका हिंदुत्व क्या है। उन्होंने कहा, '' जब बाबरी मस्जिद ढहायी जा रही थी तब सभी चूहे अपनी बिलों में छिपे थे।'' उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री शिंदे को पाटिल के बयान को लेकर या तो इस्तीफा दे देना चाहिए या पाटिल से इस्तीफा मांगना चाहिए। एकनाथ शिंदे सरकार में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता पाटिल ने सोमवार को कहा था कि जब छह दिसंबर, 1992 को बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी के कार्यकर्ताओं द्वारा अयोध्या में मस्जिद ढहायी जा रही थी तब शिवसेना का एक भी कार्यकर्ता उसके पास मौजूद नहीं था। उन्होंने यह भी कहा था कि राज्यसभा सदस्य संजय राउत अक्सर बाबरी मस्जिद विध्वंस की चर्चा करते रहते हैं लेकिन क्या वह उस समय अयोध्या में थे। पाटिल ने मुख्यमंत्री शिंदे पर शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की विरासत चुराने के आरोप को लेकर उद्धव ठाकरे पर भी तंज किया। उन्होंने कहा ''बालासाहेब सभी हिंदुओं के हैं और उनके नाम (विरासत) का उपयोग करने के लिए हर कोई स्वतंत्र है।

अब राजस्थान को भी मिलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस, पीएम मोदी कल दिखाएंगे हरी झंडी

-जयपुर, अलवर व गुड़गांव में होगा स्टॉप, अजमेर व दिल्ली कैंट के बीच चलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे देशभर में लगातार वंदे भारत ट्रेनों की तादाद में इजाफा कर रहा है। इसी कड़ी में अब राजस्थान का नंबर है। कल यानी 12 अप्रैल को राजस्थान को पहली वंदे भारत ट्रेन मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 अप्रैल को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राजस्थान की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। ये ट्रेन जयपुर से दिल्ली कैंट के बीच चलेगी।

वंदे भारत की नियमित सेवा 13 अप्रैल से शुरू होगी और जयपुर, अलवर और गुड़गांव में स्टॉप के साथ अजमेर और दिल्ली कैंट के बीच चलेगी। ये ट्रेन दिल्ली कैंट से अजमेर के बीच की दूरी 5 घंटे 15 मिनट में तय करेगी। ये ट्रेन उसी रूट पर चलने वाली शताब्दी एक्सप्रेस की तुलना में 60 मिनट तेज होगी। शताब्दी एक्सप्रेस दिल्ली कैंट से अजमेर तक 6 घंटे 15 मिनट का समय लेती है। इस तरह नई वंदे भारत एक्सप्रेस उसी रूट पर चलने वाली मौजूदा सबसे तेज ट्रेन की तुलना में 60 मिनट तेज होगी। अजमेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस हाई राइज ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) क्षेत्र पर चलने वाली दुनिया की पहली सेमी हाई स्पीड पैसेंजर ट्रेन होगी। यह ट्रेन पुष्कर, अजमेर शरीफ दरगाह सहित राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थलों की कनेक्टिविटी में सुधार करेगी। कनेक्टिविटी बढ़ने से क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

11 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें दौड़ रही हैं विभिन्न अंतर्राज्यीय मार्गों पर

उल्लेखनीय है कि अब तक देश में 11 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें विभिन्न अंतर्राज्यीय मार्गों पर शुरू की गई हैं। देश में सबसे पहले वंदे भारत ट्रेन नई दिल्ली से वाराणसी के रूट पर चली थी, इसके बाद रेलवे ने नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा, गांधीनगर-मुंबई, नई दिल्ली-अंब अंदौरा, चेन्नई-मैसूर, नागपुर-बिलासपुर, हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी, सिकंदराबाद से लेकर विशाखापट्टनम, मुंबई-सोलापुर, मुंबई-साईनगर शिरडी और दिल्ली-भोपाल रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस चलाई गई।

पुलिस कस्टडी पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक, नहीं चलेगा बीमारी का बहाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि पुलिस कस्टडी के दौरान बीमारी का कोई बहाना नहीं चलेगा। जितना समय ईलाज में लगता है उतना समय पूछताछ के लिए पुलिस को अतिरिक्त दिया जाएगा। आजकल अक्सर ऐसा देखा जाता है कि आरोपी गिरफ्तार होने के बाद अचानक बीमार हो जाता है और अस्पताल में भर्ती हो जाता है। कई बार नेताओं के केस में भी देखा जाता है। आपको शायद कोई फिल्मी सीन भी याद आ जाए। इससे होता ये है कि इलाज के दौरान ही पुलिस कस्टडी की मियाद खत्म हो जाती है। इससे पुलिस आरोपी से ठीक तरह से पूछताछ भी नहीं कर पाती है। अब देश की सबसे बड़ी अदालत ने इस बाबत महत्वपूर्ण बात कही है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि ऐसे मामले में जो भी समय इलाज में लगा है उसके एवज में आरोपी से पूछताछ के लिए पुलिस को अतिरिक्त समय दिया जा सकता है।

इस मामले में जस्टिस एमआर शाह और सीटी रवि कुमार की पीठ ने कहा कि किसी भी आरोपी को जांच प्रक्रिया या अदालत की प्रक्रिया से खेलने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि सच्चाई तक पहुंचने के लिए हिरासत में लेकर पूछताछ जांच एजेंसियों के हित में महत्वपूर्ण अधिकार है और किसी आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया को फेल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। इसके साथ ही कोर्ट ने पश्चिम बंगाल से ताल्लुक रखने वाले कोयला घोटाले में एक आरोपी से पूछताछ करने के लिए अतिरिक्त समय दे दिया। दरअसल, सीबीआई को आरोपी की 7 दिन की कस्टडी मिली थी लेकिन एजेंसी केवल ढाई दिन ही सवाल-जवाब कर सकी क्योंकि वह अस्पताल में भर्ती हो गया था और बाद में अंतरिम जमानत मिल गई। शीर्ष अदालत ने सितंबर में कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सीबीआई की अपील पर यह फैसला सुनाया। सीबीआई ने हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें सीआरपीसी की धारा-167(2) के तहत आरोपी को रिहा करने को कहा गया था।

ताइवान के खिलाफ चीन ने किया शक्ति प्रदर्शन, पूरा हुआ सैन्य अभ्यास

बीजिंग। ताइवान के खिलाफ चीन ने अपना सैन्य शक्ति प्रदर्शन पूरा कर लिया है। चीन ने इस मामले में कहा कि उसने एक विमान वाहक पोत के उपयोग सहित ताइवान के पास अपना तीन दिवसीय सैन्य अभ्यास सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। चीन के इस सैन्य शक्ति प्रदर्शन का उद्देश्य ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन की अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी के साथ बैठक के खिलाफ अपना आक्रोश जताना था। मिली जानकारी के अनसार चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए)के 'ईस्टर्न थिएटर' कमान ने ताइवान द्वीप के आसपास गश्त और अभ्यास के सभी कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया। इधर ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में ताइवान के आसपास 70 चीनी विमानों और 11 चीनी जहाज देखे गए हैं। चीन ताइवान को एक अलग हुए प्रांत के तौर पर देखता है। बीजिंग ने स्व-शासित द्वीप को मुख्य भूमि के साथ फिर से जोड़ने के लिए बल के संभावित उपयोग से इंकार नहीं किया है। विश्लेषकों का कहना है कि इस बार पीएलए की कवायद पिछले अगस्त की तरह थी, जब हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी की पूर्ववर्ती नैन्सी पेलोसी ने ताइपे का दौरा किया था। वह ताइवान का दौरा करने वाली पहली बड़ी अमेरिकी नेता बन गईं थीं। चीन ने अपने विमानवाहक पोत शांडोंग को तैनात किया और सरकारी चैनल सीसीटीवी ने चीन के कई तटीय क्षेत्रों से ताइवान जलडमरूमध्य में मिसाइल दागा जानादिखाया। चीन ने ताइवान के पूर्व नेता मा यिंग-जेउ की मेजबानी की, जो कुओमिन्तांग (केएमटी) पार्टी के नेता हैं, जो बीजिंग के साथ शांतिपूर्ण संबंधों की वकालत करती है। मा ने अपनी चीन यात्रा का समापन ठीक उसी समय किया, जब साई इंग-वेन ने अमेरिका का दौरा किया। पीएलए ने बताया कि उसके बलों ने ताइवान द्वीप के आसपास सैन्य अभ्यास शुरू किया, जो तीन दिनों तक चलेगा। कमान के प्रवक्ता शि यी ने कहा कि गश्त और अभ्यास ताइवान जलडमरूमध्य के समुद्री क्षेत्रों और हवाई क्षेत्र में, द्वीप के उत्तरी और दक्षिणी तटों से दूर और द्वीप के पूर्व में हुआ। शी ने कहा कि ये अभियान ताइवान स्वतंत्रता की मांग करने वाली अलगाववादी ताकतों और बाहरी ताकतों के बीच मिलीभगत और उनकी उत्तेजक गतिविधियों के खिलाफ एक तरह से कड़ी चेतावनी देता है। यह चीन की राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए अभियान आवश्यक हैं।

इजराइल के पीएम ने वापस ली रक्षा मंत्री की बर्खास्तगी

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री को बर्खास्त करने के अपने फैसले को वापस ले लिया है। नेतन्याहू ने हाल ही में विवादास्पद न्यायपालिका ओवरहाल योजना की मुखर आलोचना के लिए रक्षामंत्री को बर्खास्त करने की बात कही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नेतन्याहू ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने क्षेत्र में बढ़ती हिंसा का हवाला देते हुए योआव गैलेंट को अपने पद पर बनाए रखने का फैसला किया। नेतन्याहू ने कहा, मैंने अपने बीच के मतभेदों को दूर करने का फैसला किया है। हम इजराइल के नागरिकों की सुरक्षा के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। अपनी न्यायिक प्रणाली में सुधार की विवादास्पद योजना पर एक आंतरिक बहस में हफ्तों तक उलझे रहने के दौरान, इजराइल को दो फिलिस्तीनी हमलों का सामना करना पड़ा, जिसमें चार लोगों की जान चली गई और हाल ही में फिलिस्तीनियों के साथ बढ़ते तनाव के बीच लेबनान, सीरिया और गाजा पट्टी से रॉकेटों की बौछार हुई। नेतन्याहू ने 26 मार्च को दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी के एक वरिष्ठ सदस्य रक्षामंत्री को हटाने की घोषणा की थी, जब मंत्री ने न्यायिक ओवरहाल को रोकने का आह्वान किया था। घोषणा के बावजूद, मंत्री गैलेंट तकनीकी रूप से अपने मंत्री पद पर बने रहे क्योंकि नेतन्याहू ने उन्हें हटाने के लिए आवश्यक औपचारिक कदम नहीं उठाए।

तालिबानी राज का एक और कारनामा, महिलाओं के रेस्तरां में जाने पर पाबंदी

काबुल। तालिबान ने अफगानिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत हेरात में बगीचों या हरे-भरे स्थानों वाले रेस्तरां में परिवारों और महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। तालिबान ने अगस्त 2021 में सत्ता में आने के बाद से अपने शासन में महिलाओं पर अंकुश लगाना जारी रखा है। एक अधिकारी के अनुसार, नवीनतम कदम धार्मिक विद्वानों और जनता के सदस्यों की तरफ से की गई शिकायतों के बाद दिया गया है। आउटडोर डाइनिंग प्रतिबंध केवल हेरात में प्रतिष्ठानों पर लागू होता है, जहां ऐसे परिसर पुरुषों के लिए खुले होते हैं। अधिकारियों के अनुसार, महिलाओं के हिजाब (इस्लामिक हेडस्कार्फ) ठीक से नहीं पहनने के कारण प्रतिबंध लागू किया गया हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, हेरात में उप मंत्रालय और सदाचार निदेशालय के एक उप अधिकारी बाज मोहम्मद नज़ीर ने कहा कि सभी रेस्तरां परिवारों और महिलाओं के लिए वर्जित नहीं थे। अधिकारी ने कहा कि प्रतिबंध केवल पार्क जैसे हरे-भरे क्षेत्रों वाले रेस्तरां तक ही सीमित था, जहां पुरुष और महिलाएं मिल सकते थे। उन्होंने कहा, विद्वानों और आम लोगों की बार-बार की शिकायतों के बाद, हमने सीमा तय की और इन रेस्तरां को बंद कर दिया। हेरात में उप और सदाचार निदेशालय के प्रमुख अज़ीज़ुर्रहमान अल मुहाजिर ने कहा कि यह एक पार्क की तरह था लेकिन उन्होंने इसे एक रेस्तरां का नाम दिया और पुरुष और महिलाएं एक साथ थे। भगवान का शुक्र है कि इसे अब ठीक कर दिया गया है। इसके अलावा, नजीर ने इन रिपोर्टों का भी खंडन किया कि हेरात में विदेशी फिल्मों, संगीत और टेलीविजन शो की डीवीडी बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। उन्होंने दावा किया कि दुकानदारों को सलाह दी गई थी कि वे ऐसी सामग्री न बेचें क्योंकि यह इस्लामिक मूल्यों के विपरीत है। नजीर ने कहा कि जिन दुकानदारों ने नियमों का पालन नहीं किया, उन्होंने अपनी दुकानें बंद देखीं। उन्होंने इन खबरों का भी खंडन किया कि हेरात में इंटरनेट कैफे बंद कर दिए गए हैं।

400 लोगों को ले जा रही नाव फंसी बीच समंदर में, तेल हुआ खत्म

एथेंस। बीच समंदर में तेल खत्म होने से एक नाव फंस गई है। उत्तरी अफ्रीका से प्रवासियों को लेकर भूमध्य सागर को पार कर यूरोप पहुंचने वाली नौकाओं की तादात में भारी बढ़ोतरी के बीच 400 सवारियों को लेकर निकली एक नाव माल्टा और ग्रीस के बीच संकट में फंस गई है। सपोर्ट सर्विस अलार्म फोन ने अपनी चिंताओं के बारे में ट्वीट करते हुए कहा कि उसे नाव से एक कॉल मिली थी, जो लीबिया के टोब्रुक से रवाना हुई थी। जबकि जर्मन एनजीओ सी-वाटर इंटरनेशनल ने कहा कि नाव पर सवार लोगों के सामने मौत का खतरा मंडरा रहा है। अलार्म फोन ने कहा कि नाव पर सवार लोग घबरा रहे हैं और उनमें से कई को मेडिकल मदद की जरूरत है। इनमें एक बच्चा, एक गर्भवती महिला और शारीरिक अक्षमता वाले लोग भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि नाव में फ्यूल खत्म हो गया है और इसका निचला डेक पानी से भर गया है। अलार्म फोन ने कहा कि नाव का कैप्टन उसे छोड़कर चला गया है और कोई भी नहीं है, जो नाव चला सकता है। संगठन ने कहा कि उसने इसके बारे में अधिकारियों को सतर्क कर दिया था। अलार्म फोन ने कहा कि नाव इस समय माल्टा के सर्च और रेस्क्यू इलाके में भटक रही है। जबकि जर्मन एनजीओ सी-वॉच इंटरनेशनल ने ट्वीट किया कि नाव पर सवार लोग मौत के खतरे का सामना कर रहे हैं और यूरोपीय संघ को कार्रवाई करने के लिए कहा।

चार इंच की कटोरी 200 करोड़ में हुई नीलाम

ताइपे। इसे सुनकर आप हैरान होंगे ?कि हांगकांग में चीनी मिट्टी के 4.5 इंच से कम व्यास वाली एक कटोरी 2.5 करोड़ डॉलर, लगभग 2 अरब रुपए से ज्यादा की नीलाम हुई है। नीलामी घर सोथबीस की ओर से इसे अत्यधिक महत्वपूर्ण बताया गया था। यह 18वीं शताब्दी का है। इस कटोरी को योंगझेंग सम्राट के समय बनाया गया था, जिन्होंने 1722 से 1735 तक चीन पर शासन किया। यह कटोरी फलंगकाई नाम की एक परंपरा है, जिसे विदेश रंग के रूप में जाना जाता है। शनिवार को यह कटोरी 200 करोड़ में नीलाम हुई है। इस सफेद कटोरी पर दो पक्षी, खिलता हुआ खुबानी का पेड़ और एक विलो पेड़ दर्शाया गया है। डिजाइन में योंगझेंग के मिंग राजवंश पूर्ववर्ती वानली सम्राट की ओर से शुरू की गई कविता का एक अंश भी शामिल है। इन नीलामी के विवरण में सिरेमिक विशेषज्ञ रेजिना क्राल ने कहा कि योंगझेंग अवधि में पक्षियों और फूलों की विशेषता लोकप्रिय थी। उन्होंने बताया कि यह खास तरह के सिरेमिक बर्तन पर बनाई गई पेंटिंग का प्रतिनिधित्व करता है। इस तरह के डिजाइन बेहद कम देखने को मिलते हैं। उन्होंने बताया कि इसके शेष उदाहरण ताइवान में पैलेस संग्रहालय में हैं। यह कभी एक जोड़ी में था। बहली बार इसे 19वीं शताब्दी के अंत में शंघाई के शिपिंग मर्चेंट कैप्टन चार्ल्स ओसवाल्ड लिडेल की ओर से इकट्ठा किए गए संग्रह में दर्ज किया गया था। 1929 में दोनों कटोरे अलग हो गए थे।

नेपाल में बेस्केट यात्रा समारोह में भगवान भैरव के रथ को खींचते हुए लोग।

कोलंबिया में कभी भी फट सकता है ज्वालामुखी, हजारों परिवारों पर मंडराया खतरा

बोगोटा । सुसुप्त ज्वालामुखी के जागृत होने से कोलंबिया में 2500 परिवार के लोगों की जान पर बना आई है। दरअसल नेवाडो डेल रुइज़ ज्वालामुखी एक बार फिर जाग गया है। बता दें कि इस ज्वालामुखी को पश्चिमी गोलार्ध में आई सबसे बड़ी आपदाओं में से एक के लिए जिम्मेदार माना गया है। यह 38 साल से सोया हुआ था। लेकिन इसके एक बार फिर जगने से कोलंबिया सरकार की नींद हराम हो गई है। सरकार इसके संभावित विस्फोट के लिए निगरानी कर रही और आस-पास के इलाके को खाली करा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सरकार ज्वालामुखी के निकट रहने वाले लगभग 2,500 परिवारों को निकालने की कोशिश कर रही है। लेकिन कुछ लोग अपना घर छोड़ने से इनकार कर रहे हैं। कोलंबिया की सरकार इन लोगों को यहां से हटने के लिए मना रही है। नेवाडो डेल रुइज़ ज्वालामुखी बोगोटा के पश्चिम में करीब 80 मील की दूरी पर स्थित है। साल 1985 में ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ था। इस विस्फोट ने कोलंबिया की अब तक की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदा में 25,000 से अधिक लोगों की जान ले ली थी। इस आपदा में पृथ्वी के भूस्खलन और चट्टान के टुकड़े पूरी बस्तियों को दफन कर गए। भूकंपीय गतिविधि में वृद्धि के बाद सरकार ने ज्वालामुखी के चेतावनी स्तर को ऑरेंज तक बढ़ा दिया। भूकंपीय गतिविधि ने आने वाले दिनों या हफ्तों में विस्फोट की संभावना को बढ़ा दिया है। ग्लोबल वॉल्केनिज्म प्रोग्राम ने बताया कि 30 मार्च को करीब 11,600 भूकंपों का पता चला था। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इलाके को खाली करने के अभियान को और तेजी से आगे बढ़ाने के लिए कहा है।

जम्मू-कश्मीर में जी-20 बैठक के आयोजन से पाकिस्तान को लगी मिर्ची, बयान जारी कर कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई में जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में जी-20 की बैठक आयोजित करने के भारत के फैसले ने पाकिस्तान को नाराज कर दिया है। भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत जी20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की तीसरी बैठक श्रीनगर में 22 से 24 मई तक होगी। श्रीनगर में हो रही बैठक का विरोध करते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने 11 अप्रैल को एक बयान में इस आयोजन पर अपना ऐतराज जताया है। इसके अलावा, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने लद्दाख के लेह और श्रीनगर में युवा मामलों (वाई-20) पर एक सलाहकार मंच की दो अन्य बैठकों के कार्यक्रम का भी विरोध करते हुए इसे समान रूप से निराशाजनक बताया है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में जी-20 कार्यक्रम आयोजित करने के भारत के कदम को %गैरजिम्मेदाराना% करार देते हुए पाकिस्तान ने कहा कि भारत %अपने स्वार्थी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए फिर से एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समूह की अपनी सदस्यता का फायदा उठा रहा है। पाकिस्तान एमएफए ने कहा कि ऐसे देश के लिए जिसके पास खुद के बारे में और दुनिया में अपनी जगह के बारे में एक भव्य दृष्टि है, भारत ने एक बार फिर दिखाया है कि वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक जिम्मेदार सदस्य के रूप में कार्य करने में असमर्थ है।

पाकिस्तान ने आयोजन स्थल को श्रीनगर में बदलने के लिए सऊदी अरब, तुर्की और चीन जैसे देशों के साथ परामर्श किया लेकिन असफल रहा। इससे पहले चीन ने अरुणाचल प्रदेश में जी 20 आयोजन स्थलों के खिलाफ भी अपना पक्ष रखा था। भारत ने कहा कि जी20 बैठकों के संशोधित कैलेंडर में पर्यटन से संबंधित कार्यसमिति श्रीनगर में आयोजित की जाएगी। ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि चीन श्रीनगर में होने वाली बैठक का बहिष्कार कर सकता है।

शेख हसीना ने अमेरिका पर अपनी सरकार गिरने की साजिश रचने का आरोप लगाया

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की संसद में प्रधानमंत्री शेख हसीना के तल्ख तेवर दिखाई दिए। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ एक अखबार बल्कि अमेरिका तक पर उनकी सरकार को गिराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। पीएम हसीना ने कहा कि कल तक जो भ्रष्टाचार के खिलाफ बात करते थे, आज वहीं इसका समर्थन करने वालों के पक्ष में खड़े हैं। पीएम हसीना ने संसद सत्र में अमेरिका पर जमकर भड़ास निकालकर भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष को खूब सुनाया। हसीना ने बांग्लादेशी अखबार का जिक्र कर यह अखबार किसी बच्चे को भी 10 टका देकर उससे देश की स्थिति पर झूठ बुलवाता है और फिर उसी झूठ को प्रमुखता से छापता है।

हसीना के शब्दों में, एक सात साल के बच्चे को 10 टका दिया जाता है और उससे गलत बयान लिए जाते हैं। वह बच्चा पैसा मिलने के बाद कहता है कि मुझे मीट और चावल सुनिश्चित करने के लिए आजादी चाहिए। अखबार इसके शब्दों को छापता है और अखबार अंधेरे में गलत काम करता है। हसीना के बयान पर सांसदों ने टेबल बजाकर उनका जोश बढ़ाया। हसीना ने अखबार को अवामी लीग, लोकतंत्र और देश की जनता का दुश्मन करार दिया।

इसके बाद पीएम ने अमेरिका का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अखबार को इसतरह के लोगों का समर्थन मिला है, जो कर्ज को आधार बनाकर अपने हित साधना चाहते हैं। यह वह शख्स है, जो अमेरिका का करीबी है। हसीना का कहना था कि अमेरिका ने कभी भी सवाल नहीं किया कि कैसे ग्रामीण बैंक का एमडी कानूनी तौर पर सामाजिक व्यवसाय से जुड़े संगठन को आगे बढ़ाता रहा और उसने मिलियन डॉलर्स कमा लिए। कभी भी अमेरिका ने इस पैसे का स्त्रोत जानने की जहमत नहीं उठाई। हसीना ने कहा कि अमेरिका अटलांटिक के बाहर कभी भी लोकतांत्रिक मानदंडों का पालन नहीं करता है।

अमेरिका में 'कोविड-19 से संबंधी राष्ट्रीय आपात स्थिति' खत्म

वाशिंगटन (एजेंसी) अमेरिका में कोविड-19 को लेकर राष्ट्रीय आपात स्थिति खत्म हो गई है। राष्ट्रपति जो बाइडन के सोमवार को कांग्रेस में एक द्विदलीय प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के बाद अमेरिका में कोविड-19 से निपटने के लिए लगाई गई राष्ट्रीय आपात स्थिति को करीब तीन साल बाद खत्म कर दिया गया है। कुछ सप्ताह बाद ही सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित एक अन्य आपात स्थिति की मियाद भी खत्म होने वाली है। राष्ट्रीय आपात स्थिति लगने के बाद सरकार कोविड महामारी से निपटने और देश की अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं कल्याणकारी प्रणाली में सहयोग को लेकर कड़े कदम उठाती है। कुछ आपात स्थितियों को पहले ही सफलतापूर्वक खत्म कर दिया गया है जबकि अन्य को चरणबद्ध तरीके से खत्म किया जा रहा है। सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के कारण अमेरिका-मैक्सिको की सीमा पर बेहद कड़े आव्रजन नियम लगाए गए थे जो 11 मई को खत्म हो गए है। व्हाइट हाउस ने सोमवार को बयान जारी कर बताया कि बाइडन ने सार्वजनिक रूप से इस राष्ट्रीय आपात स्थिति से संबंधित प्रस्ताव का विरोध किया था और अब उन्होंने इसे खत्म करने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

गौरतलब है कि पिछले महीने 23 के मुकाबले 63 वोट से सीनेट में इस प्रस्ताव को पारित किया गया था। इसके बाद बाइडन ने सांसदों को बताया कि वह इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। प्रशासन ने कहा कि जब यह स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस राष्ट्रीय आपातकाल को समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रही है तो प्रशासन ने सामान्य प्रक्रियाओं की वापसी के लिए तैयारी में तेजी लाने पर काम किया। इसी के तहत आवास एवं शहरी विकास विभाग का कोविड-19 संबंधी पृथक-वास संबंधी कार्यक्रम मई में खत्म होने वाला है।

ब्रिटेन ने कहा- मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जारी, दोनों देश क साथ काम करने के लिए संकल्पित

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटिश उप उच्चायुक्त क्रिस्टीना स्कॉट ने मंगलवार को कहा कि भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है और दोनों देश एक साथ काम करने के लिए 'संकल्पित' हैं। भारत में ब्रिटेन के वरिष्ठ राजनयिक की यह टिप्पणी भारतीय अधिकारियों द्वारा द टाइम्स की एक रिपोर्ट को 'निराधार' कहकर खारिज करने के बाद आई है। रिपोर्ट में कहा गया था कि खालिस्तान समर्थकों द्वारा लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमले की ब्रिटिश निंदा करने में विफल रही थी। इसके बाद नई दिल्ली ने अपनी चिंताओं के कारण वार्ता को रोक दिया।

एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में स्कॉट ने कहा कि मैं कल की रिपोर्ट पर टिप्पणी नहीं कर सकता, मैंने उन रिपोर्टों को नहीं देखा है, लेकिन मैं जो कह सकता हूं वह यह है कि मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है। हम दृढ़ हैं कि हम एक साथ काम करना जारी रख सकते हैं।' एक मुक्त व्यापार समझौता खोजने के लिए जो ब्रिटिश और भारतीय व्यवसायों का समर्थन करता है। लंदन स्थित समाचार पत्र द टाइम्स ने अपने 10 अप्रैल के संस्करण में ब्रिटिश सरकार के वरिष्ठ सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि भारत सरकार ब्रिटेन के साथ मुक्त-व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत से 'अलग' हो गई है और यह स्पष्ट कर दिया है कि खालिस्तान आंदोलन की सार्वजनिक निंदा के बिना कोई प्रगति नहीं होगी।

हालांकि बाद में भारतीय अधिकारियों ने ब्रिटेन के साथ व्यापार वार्ता को रोकने की खबरों का खंडन किया है। विदेश मंत्रालय ने इस तरह की खबरों को पूरी तरह से निराधार' बताया है। यूके स्थित द टाइम्स ने रिपोर्ट दी कि पिछले महीने लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमला करने वाली खालिस्तानी भीड़ पर कार्रवाई करने में विफल रहने के बाद भारत ने ब्रिटेन के साथ व्यापार वार्ता रोक दिया है।

रुसी सेना को यूक्रेन से टक्कर पड़ी भारी, खोए सबसे ज्यादा सैनिक

मास्को (एजेंसी)। रुसी सेना को यूक्रेन से टक्कर लेना भारी पड़ रहा है। दोनों के बीच चल रहे युद्ध में रूस को काफी नुकसान हो रहा है। खबर है कि सोवियत-अफगानिस्तान युद्ध में अपने वीरतापूर्ण युद्ध के लिए जानी जाने वाली रूस की उच्च दर्जे की रेजिमेंट ने यूक्रेन युद्ध में अफगान युद्ध से ज्यादा सैनिकों को खो दिया है। 331 वीं गार्ड्स पैराशूट रेजिमेंट, जिसे रूसी सशस्त्र बलों में 'सर्वश्रेष्ठ से सर्वश्रेष्ठ' माना जाता है को अप्रैल 2023 तक 94 हताहतों का सामना करना पड़ा है। जो पिछले साल जुलाई में 62 थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 331 वीं गार्ड्स पैराशूट रेजिमेंट का भाग्य रूसी सेना से अलग नहीं है। बड़ी धूमधाम से यूक्रेन में शीतकालीन आक्रमण की घोषणा करने के बावजूद उसे गंभीर झटके लगे हैं। जैसे ही वसंत आता है दोनों सेनाएं काला सागर के तट से लेकर पूर्वोत्तर यूक्रेन तक सैनिकों के साथ गतिरोध में आ जाती हैं। युद्ध जो अब एक वर्ष से अधिक समय से जारी है, ने दोनों पक्षों की सेनाओं को नष्ट कर दिया है और संसाधनों को खत्म कर दिया है।

मॉस्को से 300 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित कोस्त्रोमा, क्रेमलिन द्वारा अपने पड़ोसियों के खिलाफ लड़ी जाने वाली सभी मुख्य लड़ाइयों के अभियान में सबसे आगे रहा है। हालांकि, शहर में अब 331 वीं गार्ड्स पैराशूट रेजिमेंट की कब्रें हैं। असत्यापित रिपोर्टों का दावा है कि यूक्रेन युद्ध के कारण संभ्रांत रेजिमेंट में सैनिकों के बीच कई सौ मौतें हुई हैं। चूंकि मॉस्को के पड़ोस में कोस्त्रोमा रेजिमेंट अपनी वीरता और अभियानों के लिए लोकप्रिय रही है।

पाकिस्तान से कहीं बेहतर हैं भारत में मुस्लिमों की स्थिति

-अल्पसंख्यकों की स्थिति पर पश्चिमी देशों को निर्मला सीतारमण ने दिया दो टूक जवाब

वाशिंगटन (एजेंसी)। पश्चिमी देशों की धारणा को लेकर केन्द्रीय वित्त मंत्री ने खरा जवाब दिया है। भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर बनाई जा रही धारणा और उनके हिंसा के शिकार होने की खबरों को खारिज करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पश्चिम देशों को फटकार लगाई। निर्मला सीतारमण ने अमेरिका स्थित पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत में अल्पसंख्यक समुदाय इस्लामिक देश पाकिस्तान के मुकाबले 'बहुत बेहतर' कर रहा है। पीआईआईई के अध्यक्ष एडम एस पोसेन ने निर्मला सीतारमण से पश्चिमी देशों में विपक्षी दल के सांसदों की सदस्यता खोने और भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर पश्चिम मीडिया में हो रही व्यापक रिपोर्टिंग को लेकर सवाल किया था। इसके जवाब में भारतीय वित्तमंत्री ने कहा, 'भारत में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी है और वह जनसंख्या केवल बढ़ ही रही है। अगर भारत में उनका जीना मुश्किल होता या सरकार के समर्थन से उनका जीवन मुश्किल बना दिया गया होता तो क्या मुस्लिम आबादी 1947 की तुलना में बढ़ रही होती?'

इतना ही नहीं, वित्त मंत्री सीतारमण ने इसके बाद बंटवारे का जिक्र करते हुए तब के भारत और नए बने देश पाकिस्तान के बीच तुलना की। उन्होंने कहा कि अगर कहीं अल्पसंख्यकों की संख्या में गिरावट आई है तो वह पाकिस्तान है। पाकिस्तान ने खुद को एक इस्लामिक देश घोषित किया हुआ है, लेकिन उसने अल्पसख्यकों की रक्षा करने का वादा किया था। आज वहां हर अल्पसंख्यक समुदाय की संख्या में कमी आई है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति बिगड़ती जा रही है और उनकी संख्या दिन पर दिन घटती जा रही है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर छोटे-मोटे आरोप के लिए भी मौत की सजा दी जाती है।

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस दौरान पाकिस्तान में कुछ मुस्लिम संप्रदायों के खिलाफ हिंसा का जिक्र किया और कहा, 'मुहाजिरों, शिया और हर दूसरे समूह के खिलाफ हिंसा होती है, जिसका आप नाम ले सकते हैं। ये ऐसे मुसलमान समुदाय हैं जिन्हें मुख्यधारा में स्वीकार ही नहीं किया जाता है,

जबकि भारत में आप पाएंगे कि हर वर्ग का मुसलमानों अपना व्यवसाय कर रहा है, उनके बच्चे शिक्षित हो रहे हैं। सरकार द्वारा उन्हें फेलोशिप दी जा रही है।

संपादकीय

सुखी परिवार

संसार है एक नादिया इसमें दु:ख सुख दो किनारे हैं । न जाने कहाँ जाएँ हम यह बहते धारें हैं । संसार में ये दो ही तत्व हैं ।किए कर्मो का मिलता यहाँ फ़ल है ।पुण्यायी से मिलता है हमे सुख का भोग व पाप कर्म से मिलता दु:ख का संजोग । चुप रहना चाहिए । सहना चाहिए । समय पर कहना भी चाहिए । और सही से प्रेम से रहना चाहिए । यह सुखी परिवार का अमोघ मन्त्र है । सुखी परिवार वह है जो परिस्थितियों के बहाव में कभी भी बहता है । अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितियों से प्रभावित नहीं होता । दु:ख और सुख सभी परिस्थतियों से जिसने स्वयं को परे कर लिया वह परिवार कभी भी समस्याग्रस्त और विषादग्रस्त नहीं होता है । इस दुनिया में सारा दु:ख और सुख अहंकार और ममकार के धरातल पर होता है । परिवार क्या हुआ ? परिवार व्यक्तियों का वह समूह है जो विवाह और रक्त संबंधो से परस्पर जुड़ हुआ होता है। जहाँ प्राकृतिक प्रेम, सहानुभूति, परानुभूति, सही से आदर सम्मान आदि भावनाएं होती हैं परस्पर स्वभावत: परिलक्षित ।जहाँ पीढ़ी दर पीढ़ी संस्कार संक्रमित और विकसित होते जाते हैं ।जहाँ सहजीवन,सह रहन-सहन आदि नैसर्गिक होता है। हम यह कह सकते हैं की परिवार-व्यवस्था आदिम युग की अनुपम देन है ।जहाँ पारिवारिक सहयोग भावना स्वत: सर्वोपरि मेन होती है। इसीलिए सुख-दु:ख सब बंट जाता है । तभी तो वह सुखी व समृद्ध परिवार कहलाता है । निस्वार्थ भावना परिवार की रीढ़ है । सब पारिवारिकजन अपेक्षित है रखें आपस में सब परस्पर सहयोग वृत्ति। प्रथम ईकाई समाज व्यवस्था की परिवार है ।और आदर्श ईकाई को ही समृद्ध व सुखी परिवार हम कह सकते हैं । आदर्श व सुखी परिवार समाज में वरदान है । विपरीत इसके छिन्न-विछिन्न परिवार अभिशाप है आज में। मुखिया का बहुमान सुखी,समृद्ध परिवार का एक लक्षण है ।परस्पर आदर सम्मान वैसे तो सब सदस्यों का भी हो ।कम से कम एक वक्त का तो करे सकल परिवार में संग बैठ कर सह खान-पान। इस तरह संगठन भाव जहाँ होगा वहाँ स्वत: सुख समृद्धि होगी । समर्पण भाव बहुत मुख्य सात्विक लक्षण है । पूर्ण सद्भाव सब सदस्यों का परस्पर होता है। परिवार संचालन में सबकी योग्यतानुसार सहर्ष सहभागिता हो । अपनी क्षमतानुसार सब सहयोग को तैयार हों । संसकारों का दृढ़ता से पालन हो बहुत अहम बात है । इस आधुनिकता की अंधी आंधी में भटकान न हो । आधुनिक वातावरण में यह सर्वोच्च प्राथमिकता है । सब सदस्यों को इसकी समुचित चिंता और व्यवस्था रखनी चाहिये । छोटों के प्रति पूर्ण स्नेह भाव बड़ों को रखना चाहिए ।और छोटों का भी कर्तव्य है बड़े के प्रति सही से समुचित आदरभाव रखें । सास बहू को बेटी समझे और बहू सास को माँ समझे ।परस्पर ऐसा स्नेह-आदर और अपनत्व जहाँ उस परिवार में होगा सुख-समृद्धि वहाँ कभी कमी नहीं होती है । या ऐसी चर्या होगी जिस परिवार में उससे सुखी परिवार इस संसार में कोई हो भी नहीं सकता है ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

राजस्थान में राज बदलेगा या रिवाज

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने में सिर्फ सात महीने का समय रह गया है। ऐसे में अब सभी राजनीतिक दल अपने संगठन को मजबूत बना कर चुनावी व्यूह रचना बनाने में लग गए हैं। जहां सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का मानना है कि उनकी लोक हितकारी योजनाओं से इस बार के चुनाव में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज बदल जाएगा। वहीं भाजपा सहित सभी विपक्षी दलों के नेताओं का मानना है कि प्रदेश की जनता गहलोत सरकार को हटाकर राज बदलने को तैयार बैठी है। वोट पड़ेंगे तब राज बदल जाएगा।

राजस्थान में सबसे पहले आम आदमी पार्टी ने कोटा के नवीन पालीवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर अपने संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करना प्रारंभ कर दिया है। आप ने विधानसभा चुनाव का प्रभारी राज्यसभा सांसद व पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ संदीप पाठक को पहले ही नियुक्त कर रखा है। दिल्ली के द्वारका से विधायक विनय मिश्रा को राजस्थान का प्रभारी बनाया गया है। इसके साथ ही पार्टी ने दिल्ली, पंजाब और गुजरात के 7 विधायकों अमनदीप सिंह गोल्डी, नरेश यादव, चेतर वसावा, नरेंद्र पाल सिंह सवाना, हेमंत खावा, शिवचरण गोयल और मुकेश अहलावत को सह प्रभारी लगाया है। पार्टी कार्यकर्ताओं को उत्साहित करने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जयपुर में रोड शो करके एक जनसभा को भी संबोधित कर चुके हैं। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का ट्रैक रिकॉर्ड बहुत ही खराब रहा था। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे रामपाल जाट को 628 वोट ही मिल पाए थे। यही हाल अन्य प्रत्याशियों का रहा था। 2018 के चुनाव में आप को प्रदेश में 0.38 प्रतिशत वोट मिले थे। हालांकि अब पार्टी के नेता प्रदेश में अगली सरकार बनाने का दावा कर रहें है।

राजस्थान में मुख्य विपक्षी दल भाजपा भी विधानसभा चुनाव की तैयारी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 1.22 प्रतिशत यानी एक लाख 77 हजार 699 वोट अधिक प्राप्त कर 79 सीट अधिक जीत ली थी। वही इतने वोटों के अंतर पर भाजपा की 90 सीटें कम हो गई थी। जिससे भाजपा सत्ता से बाहर हो गई थी। अपनी पिछले विधानसभा चुनावों की कमी को दूर करने के लिए भाजपा अभी से जुट गई है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा प्रदेश की राजनीति में सोशल इंजीनियरिंग के फार्मूले पर काम कर रही है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद पर ब्राह्मण समाज के सीपी जोशी को नियुक्त किया गया है। सीपी जोशी चित्तौड़गढ़ से दूसरी बार लोकसभा सदस्य हैं। जयपुर में कुछ दिनों पूर्व ही ब्राह्मण समाज ने लाखों लागों को एकत्रित कर एक विशाल सम्मेलन का आयोजन कर किया था। जिसमें ब्राह्मण समाज ने प्रदेश की सभी पार्टियों से उनके समाज को सत्ता में अधिक भागीदारी देने की मांग की थी। उस सम्मेलन के कुछ दिनों बाद ही भाजपा ने सीपी जोशी की प्रदेश अध्यक्ष के रूप में ताजपोशी कर दी। भाजपा ने राजपूत समाज के सातवीं बार विधायक बने राजेंद्र राठौड़ को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया है। जबकि प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए गए डॉक्टर सतीश पूनिया को विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष बना कर जाट समाज को भी खुश कर दिया गया है। सतीश पूनिया पहली बार आमेर से विधायक बने हैं। इसलिए उन्हें उपनेता का पद ही मिल पाया है। चर्चा है कि मीणा समाज के राज्यसभा सदस्य डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा को केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है। राजपूत समाज के गजेंद्र सिंह शेखावत, यादव (अहीर) समाज के डॉक्टर भूपेंद्र यादव, ब्राह्मण समाज के अश्विनी वैष्णव केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं।

जाट समाज के कैलाश चौधरी, अनुसूचित जाति के अर्जुनराम मेघवाल केंद्र सरकार में राज्य मंत्री हैं। बनिया समाज के ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष हैं। वही गुलाबचंद कटारिया को असम का राज्यपाल बनाया गया है। झुंझुनू से सांसद, केंद्र सरकार में उप मंत्री व अजमेर जिले के किशनगढ़ से विधायक रहे जगदीप धनखड़ भी उपराष्ट्रपति पद पर हैं। गुर्जर समाज की अलका गुर्जर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव है। ओमप्रकाश माथुर केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य हैं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे या उनके किसी समर्थक को भाजपा चुनाव अभियान समिति का संयोजक बनाया जा सकता है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष असादुद्दीन ओवैसी भी अपनी पार्टी का संगठन बनाने में लगे हुये हैं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का पूरा संगठन पार्टी अध्यक्ष व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के इर्द गिर्द ही घूमता रहता है। बेनीवाल ने हाल ही में दिल्ली में अपनी पुत्री का जन्मदिन मनाया था। जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान शामिल हुये थे। कार्यक्रम में सभी दलों के बड़े नेता आये थे। कांग्रेस की चुनावी कमान पूरी तरह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संभाल रखी है। इस बार उन्होंने लोक लुभावना बजट पेश कर प्रदेश के आम लोगों को कांग्रेस से जोड़ने का काम किया है। गहलोत लगातार प्रदेश में दौरे कर आम मतदाताओं से रूबरू हो रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी संगठन के काम में लगे हैं। उन्हें अध्यक्ष बने तीन साल होने वाले हैं। ऐसे में चर्चा चल रही है कि प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर सचिन पायलट या उनके किसी समर्थक नेता को नियुक्त किया जा सकता है। जिससे कांग्रेस की गुटबाजी समाप्त हो सकेगी। यदि प्रदेश अध्यक्ष बदला जाता है तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का पूरा प्रयास रहेगा कि उनके समर्थक रघु शर्मा, महेश जोशी, महेंद्र चौधरी, नरेंद्र बुडानिया, लालचंद कटारिया में से किसी को अध्यक्ष बनाया जाए। ताकि चुनाव में उनके मन मुताबिक टिकटों का वितरण हो सके। मगर यदि कांग्रेस आलाकमान तय कर लेता है तो फिर सचिन पायलट या उनका कोई समर्थक अध्यक्ष बन सकता है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा मुख्यमंत्री गहलोत व सचिन पायलट में समझौता करवाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। कई अवसरों पर रंधावा ने खुलकर कहा भी है कि राजस्थान में सबसे बड़े नेता अशोक गहलोत है। इसलिए उन्हें ही सभी नाराज नेताओं के पास जाकर उनको मनाना चाहिये। कांग्रेस के 400 में से 367 ब्लॉक अध्यक्षों की तो नियुक्तियां हो चुकी है। मगर अधिकांश जिला अध्यक्षों के पद लंबे समय से खाली पड़े हैं। इस कारण नीचे के स्तर पर संगठन पूरी तरह सक्रिय नहीं हो पा रहा है। हालांकि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने हाल ही में 3 विधायकों अमित चाचान, इंद्राज सिंह गुर्जर, प्रशांत बैरवा सहित कुल 8 लोगों को पार्टी का प्रवक्ता नियुक्त किया है। वही सात लोगों को मीडिया पैनलिस्ट और तीन लोगों को मीडिया कोऑर्डिनेटर बनाया गया है। इससे लगता है कि कांग्रेस पार्टी का भी संगठन पर फोकस होने लगा है। कांग्रेस में 25 सितंबर 2022 की घटना में दोषी नेताओं पर अभी तक कार्यवाही नहीं होने से भी सचिन पायलट खासे नाराज बताये जा रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस आलाकमान को अगले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए शीघ्रता से पार्टी संगठन व सरकार में जो भी परिवर्तन करने है उन्हें कर देने चाहिए। ताकि आगे सभी एकजुट होकर फिर से सरकार बनाने के लक्ष्य की तरफ बढ़ सके।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

दोषपूर्ण नीतियों के बनें कारगर विकल्प

इंद्रजीत सिंह

पिछले दिनों देशभर के किसान मजदूरों ने राजधानी दिल्ली में भारी संख्या में जाकर जिस तरह सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई वह अपने आप में अभूतपूर्व ही कही जाएगी। निस्संदेह किसान आंदोलन के मूल में खेती में निरंतर गहरा रहा संकट ही है। इसी संदर्भ में ग्रामीण जनता में जो असंतोष भिन्न-भिन्न रूप में प्रकट हो रहा है, उसका एक मुख्य कारण निश्चित तौर पर कृषि का घाटे का सौदा साबित होना है। इस स्थिति में लाल झंडे लहराते हुए रामलीला मैदान को भरने वाले कश्मीर से कन्याकुमारी तक से आए लोग आखिर कौन थे? वह मुख्य तौर पर संगठित व असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, संकटग्रस्त किसान, कामकाजी महिलाएं और खेतिहर मजदूरों के संगठनों द्वारा की गई लामबंदी थी। भारत में आश्चर्यचकित करने वाली आर्थिक विषमता का निरंतर बढ़ना भी इसी की पुष्टि करता है कि कार्पोरेट के महामुनाफे सुनिश्चित करने का लक्ष्य सत्ताधारी वर्गों की सर्वोच्च प्राथमिकता बना हुआ है। 45 लाख करोड़ रुपये के जिस केंद्रीय बजट को संसद के हंगामे के बीच मात्र 12 मिनट में पास कर दिया गया उसमें बेरोजगारी और महंगाई जैसी दो बड़ी समस्याओं का संबोधन सिरे से नदारद है। बजट में कृषि क्षेत्र और मनरेगा की बड़ी कटौतियों को लेकर न केवल किसान व मजदूर संगठन बल्कि अनेक जाने-माने अर्थशास्त्रियों और कृषि विशेषज्ञों ने भी तीखी आलोचना की थी। अफसोस की बात है कि इन आवंटनों में की गई कटौतियां बहाल नहीं की गईं। न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के सवाल को नकार कर किसानों को कर्ज में धकेला जा रहा है। फसलों के लागत मूल्य में हो रही वृद्धि और उसके अनुपात में आय के न बढ़ने से कृषि व्यवसाय अवहनीय हो चुका है। प्याज, आलू व अन्य उत्पादों के मूल्यों में भारी गिरावट के खिलाफ कुछ सप्ताह पहले महाराष्ट्र के हजारों किसान व आदिवासियों का लंबा कूच अपने आप में नीचे पनप रहे रोष को ही दर्शाता है। जलवायु परिवर्तन से होने वाले मौसम बदलाव से फसलों की खराबी एक स्थाई समस्या बन गई है। इस बार कटाई से ठीक पहले पकने की अवस्था में रबी फसलों की बर्बादी इसलिए भी ज्यादा नुकसानदायक है क्योंकि पूरी लागत पहले ही किसान द्वारा लगाई जा चुकी होती है। इन प्रभावित लोगों में वह भूमिहीन और छोटे किसान भी हैं जो किसी की जमीन लेकर ठेके पर खेती करते हैं। ये कर्ज लेकर भूमि के ठेके की रकम शुरू में ही अदा कर चुके होते हैं। इन किसानों को तो फसल खराब की क्षतिपूर्ति भी नहीं होती। उदारीकरण और निजीकरण की नीतियों के परिणामस्वरूप रोजगार के बड़े पैमाने पर अनौपचारिक रूप लिए जाने के चलते स्थाई कार्यों का भी अस्थाई रोजगार हो चला है। श्रम कानूनों के ढीला किए जाने से सेवा सुरक्षा नहीं रही। जिस ठेका प्रथा की समाप्ति की मांग उठती थी वह अब रोजगार की स्थायी नीति बना दी गई है। काम के घंटे बढ़ गए पर न्यूनतम वेतन नहीं बढ़े। श्रम कानूनों को हटाकर लेबर कोड लादे जाने से पुनः बंधुआ प्रथा की ओर ले जाया जा रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अनेक आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति धीरे-धीरे बंद कर दी गई है। पांच किलो मुफ्त अनाज की आड़ में 2 रुपये किलो के रेट पर 35 किलो अनाज बंद कर दिया गया है। हरियाणा में तो परिवार पहचान पत्र में मनमानी आय दर्ज करते हुए लोगों को बड़े पैमाने पर सामाजिक सुरक्षा के दायरे से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। सच्चाई की बात तो यह है कि सवाल केवल मात्र जीवन स्तर गिरने तक का नहीं बल्कि आधी से ज्यादा जनसंख्या के अस्तित्व मात्र का खड़ा हो गया है। यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत का संविधान केवल जीने का अधिकार नहीं बल्कि 'मर्यादा' से जीने का अधिकार प्रदान करता है। इसलिए अपने बुनियादी सवालों के समाधान हेतु देश का निर्माण करने वाले मजदूर, किसान व कामकाजी महिलाएं हमारे संविधान के दिशा-निर्देशों के अनुरूप मौजूदा नीतियों की जगह ज्यादा समतामूलक वैकल्पिक नीतियों की पैरवी करने के लिए देश की राजधानी में गुहार लगाने आए थे। वे स्वयं उपस्थित होकर खुद भुक्तभोगी के तौर पर सरकार द्वारा किए जा रहे विकास के कथित दावों को नकारने आए थे। किसान व ट्रेड यूनियन नेताओं ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह प्रतिवर्ष दो करोड़ रोजगार प्रदान करने उन वादों से विपरीत काम कर रही है जो चुनाव के समय जनता के समक्ष किये गए थे। नेताओं ने कहा कि मेहनतकश वर्गों पर तीन स्तरीय हमला हो रहा है। पहला आर्थिक यानी आजीविका पर, दूसरा जनतांत्रिक व ट्रेड यूनियन अधिकारों पर और तीसरा जनता के सामाजिक सद्भाव पर किया जा रहा है। उन्होंने यह आह्वान भी किया कि सभी वर्गों को संयुक्त रूप से इन हमलों को पछाड़ने के लिए भी तीन पक्षीय रणनीति ग्रहण करनी होगी। किसान व मजदूर सरकार को चुनौती देकर गए हैं कि इन जनविरोधी नीतियों को बदला जाए। यह बताया गया कि यदि अमीरों पर केवल 2 फीसदी टैक्स लगाया जाए तो 10 खरब से अधिक धन जुटाया जा सकता है।

वे स्पष्ट तौर पर घोषित करके गए हैं कि उन्हें मौजूदा नीतियां स्वीकार्य नहीं हैं और वे विकल्प की नीतियों के लिए आंदोलन छेड़ेंगे। इस पर यदि सरकार गौर नहीं करेगी तो जनांदोलनों के अलावा लोगों के पास कोई विकल्प नहीं बचेगा।

विचार मंथन

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की 400 सीटों की रणनीति

(लेखक-सनत कुमार जैन)

भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति बना ली है। इसके लिए सुनियोजित रूप से लोकसभा की 400 सीटें जीतने का ब्लूप्रिंट तैयार हो गया है। योजना के अनुसार परिणाम में परिवर्तित करने तथा धरातल में उतारने की तैयारी शुरू हो गई है। अभी से सारे देश में मानसिक रूप से चुनाव रणनीति के तहत प्रचार प्रसार सभी माध्यमों से शुरू कर दिया गया है। ताकि 400 के आसपास सीट जब भारतीय जनता पार्टी को मिले। तो लोग उस पर विश्वास कर लें। पिछले 9 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी चुनाव जीतने के लिए मानसिक रूप से मतदाताओं को तैयार करने और विपक्षी दलों को हतोत्साहित करने के लिए सुनियोजित प्रबंधन का प्रयास करती है। भाजपा की रणनीति अभी तक सफल होती आई है। विश्वास दिलाने के लिए राज्यों के चुनाव में, नेरेटिव के विपरीत जाकर परिणाम सुनियोजित रणनीति के तहत लाए जाते हैं? ताकि लोगों का विश्वास ईवीएम मशीन और चुनाव आयोग पर बना रहे। पिछली बार कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा का चुनाव हार गई थी। दिल्ली, महाराष्ट्र एवं बिहार के चुनाव परिणाम अपवाद होते हैं। इसका फायदा लोकसभा चुनाव से होता है। कर्नाटक और मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव हारने के बाद भी सरकार बना ली। महाराष्ट्र में भी यही हुआ। राजस्थान और छत्तीसगढ़ बचे रहे, पंजाब में भाजपा के पास जीतने लायक स्थिति नहीं थी। वहां पर आम आदमी पार्टी की सरकार बन गई। ऐसे में ईवीएम की मशीन और चुनाव आयोग की निष्पक्षता बनी रहती है। विपक्षी शांत हो जाते हैं। लोकसभा चुनाव जीतने की मुख्य रणनीति यही होती है। भाजपा के चुनावी प्रबंधन में चुनाव हारने की स्थिति में भाजपा की कम से कम 25 साल तो नहीं होगी। ऐसा भाजपा के लोग खुद कहते हैं।

2024 का लोकसभा चुनाव सबका साथ और सबका विकास के नाम पर लड़ा जा रहा है।संघ और भाजपा के बड़े-बड़े नेता मुसलमानों और ईसाइयों को विश्वास दिला रहे हैं, कि वह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। आतंक के बाद सुरक्षा कवच मुसलमानों और ईसाइयों को पहनाकर सहानुभूती और विश्वास दिलाने का काम पिछले कई महीनों से भाजपा कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईस्टर संडे पर दिल्ली के एक चर्च में पहुंचे। केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने केरल में बिशप से मुलाकात की। उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पीके कृष्णदास भी शामिल थे। केरल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्रन ने आर्कबिशप मार रेमी गियस पाल से मुलाकात की। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का सबसे ज्यादा जोर ईसाई समुदाय पर केरल मे है। केरल के वायनाड से राहुल गांधी सांसद है। केरल से ईसाइयों के समर्थन का मैसेज सारे देश के ईसाइयों को भाजपा देना चाहती है। कर्नाटक में ईस्टर संडे के दिन चर्च में जाकर पादरियों से भेंट करने और प्रार्थना में शामिल होने का संदेश दिया गया है। ईसाई समुदाय भाजपा का समर्थन करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनकी सुरक्षा और बेहतरी के लिए काम करेगें। इसी तरह से मुसलमानों के बीच संघ के पदाधिकारी और भाजपा के पदाधिकारी लगातार संपर्क में हैं। उत्तर प्रदेश में 4 मुस्लिमों को एमएलसी बना दिया गया है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने मुस्लिम मतदाताओं तक पहुंचने के लिए पूरे देश में सूफी संवाद महा-अभियान चलाने का फैसला किया है। मुसलमानों के सबसे बड़े वर्ग पशमीना मुसलमानों को भारतीय जनता पार्टी ने अपना लक्ष्य बनाया है। इससे मुसलमानों का बंटने का सदेश चला गया। एक बड़े मुसलमान वर्ग का भाजपा से जुड़ने का संदेश भी चला गया। यह रणनीति इसके पहले 3 तलाक वाले मामले में भी अपनाई गई थी। उत्तरप्रदेश के विधानसभा चुनाव में रिकार्ड जीत मुस्लिम महिलाओं के समर्थन को भाजपा ने दिया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने देशभर के सभी दरगाहों, उनके ख़ादिमों, मौलानाओं और मुस्लिम नेताओं तक पहुंचने का लक्ष्य तैयार किया है। हाल ही में कर्नाटक के कलाकार शाह रशीद अहमद कादरी को पद्मश्री से सम्मानित कर, भाजपा ने ईसाई मुस्लिम परस्ती की नई छवि तैयार कर रही है। पिछले वर्षों में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और संघ के अनुवांशिक संगठनों ने मुसलमानों पर भारी दबाव बनाया है। मुसलमानों में दहशत और आतंक बना हुआ है। मुसलमानों का बड़ा वर्ग अब यह मानने लगा है कि विरोध करने के स्थान पर चुप रहना ही बेहतर है। ऐसी स्थिति में भाजपा यह संदेश फैलाना चाहती है, कि मुसलमान और ईसाइयों का समर्थन भाजपा के पक्ष में है। जिसके कारण वह लोकसभा में 400 सीटें जीतने जा रही है।

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

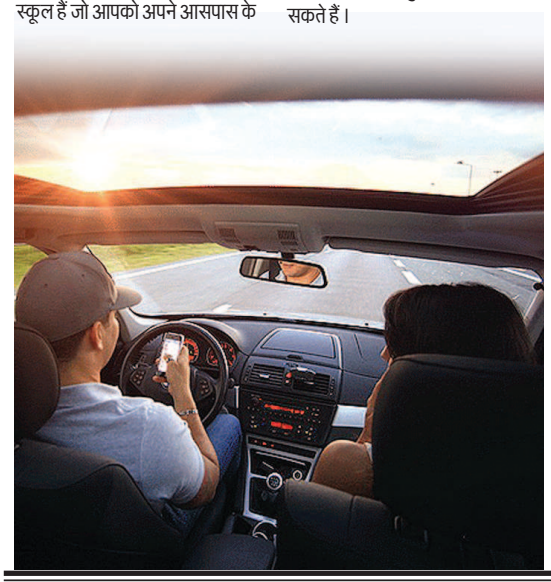

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फ्लेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फ्लेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरुआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाइड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।
आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है।
आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं -
लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं।
लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।
लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए।
- मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।
कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

जीएलएस में अपनी हिस्सेदारी बेच सकती है ग्लेनमार्क फार्मा

नई दिल्ली।

भारतीय फार्मा सेक्टर की प्रमुख कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड अपने कर्ज के बोझ को कम करने के लिए ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज (जीएलएस) में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए बात कर रही है। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स के शेयर सोमवार 10 अप्रैल को एनएसई पर 1.19 प्रतिशत बढ़कर 487.85 रुपए पर बंद हुए, जबकि ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज 0.63 प्रतिशत बढ़कर 408.65 रुपए पर बंद हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार यह बिक्री सौदा कोटक महिंद्रा कैपिटल द्वारा अंडरराइट की गई है। इस सौदे को लेकर न तो ग्लेनमार्क और न ही कोटक ने सवालों का जवाब दिया। बता दें कि वर्ष 2019 में कंपनी ने अपने सक्रिय फार्मास्युटिकल संघटक (एपीआई) कारोबार में अपनी हिस्सेदारी बेचने को लेकर विचार किया था। हालांकि, ऐसा करने की बजाय बजाय कंपनी ने अलग सहायक कंपनी जीएलएस शुरू की थी और इसे 2021 में लिस्ट किया था। सूत्रों की माने तो ग्लेनमार्क जीएलएस के 720 रुपये प्रति शेयर के भाव की मांग कर रहा है, जो मौजूदा बाजार मूल्य से 45 प्रतिशत अधिक है।कंपनी के मुताबिक लिस्टिंग दिशानिर्देशों को पूरा करने के लिए अगले 12-15 महीनों में कम से कम 7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचनी होगी। ग्लेनमार्क की जीएलएस में 82 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

पंप भंडारण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के निर्देश जारी

नई दिल्ली । सरकार ने देश में जल विद्युत क्षेत्र में पंप भंडारण परियोजनाओं को प्रोत्सो हित करने के लिए अंतिम दिशानिर्देश जारी किए। गैर प्रदूषणकारी और पर्यावरण के अधिक अनुकूल होने के कारण सरकार इन्हें बढ़ावा दे रही है। बिजली मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार हितधारकों से मिले सुझावों के आधार पर दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिया गया है। राज्य सरकारें प्रतिस्पर्धी बोली, शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया और केंद्रीय लोक उपक्रमों तथा राज्य पीएसयू को नामांकन के आधार पर परियोजना स्थल आवंटित कर सकती हैं। मंत्रालय ने कहा कि इन परियोजनाओं की वितरण लागत बहुत कम होती है।

आयकर विभाग ने जेपी इंफ्राटेक के अधिग्रहण संबंधी आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने कर्ज में डूबी कंपनी जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल) का अधिग्रहण करने की सुरक्षा ग्रुप को मंजूरी देने संबंधी राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के फैसले के खिलाफ अपील दायर की है। सूत्रों से के मुताबिक आयकर विभाग ने एनसीएलटी के आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी में याचिका दायर की है जिसमें कुछ आयकर दावों का जिक्र किया गया है। हालांकि आयकर विभाग ने एनसीएलटी की दिल्ली पीठ में जेआईएल मामले की सुनवाई चलते समय अपनी तरफ से कोई अर्जी नहीं दी थी। सूत्रों ने कहा कि ऐसी स्थिति में आयकर विभाग का अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील करना थोड़ा आश्चर्य होता है। आयकर विभाग की अपील पर एनसीएलएटी अगले सप्ताह सुनवाई कर सकता है। एनसीएलटी ने पिछले महीने की सात मार्च को कर्ज समाधान प्रक्रिया के तहत सुरक्षा ग्रुप को जेआईएल का अधिग्रहण करने की मंजूरी दी थी और उसे एनसीआर क्षेत्र की विभिन्न अधूरी परियोजनाओं में अधूरे पड़े हुए करीब 20,000 फ्लैट का निर्माण पूरा करने को कहा था। हालांकि एनसीएलटी के इस आदेश के खिलाफ पिछले एक महीने में अब तक चार याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं। इनमें से एक याचिका जेपी एसोसिएट्स के प्रवर्तक मनोज गौर ने दायर की है जिसमें उच्चतम न्यायालय के पास जमा 750 करोड़ रुपये बांटने के आदेश को चुनौती दी गई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 60 हजार के ऊपर निकला , निफ्टी 17 हजार के ऊपर निकला

मुम्बई ।

शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से बाजार में ये उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 311.21 अंक करीब 0.52 फीसदी बढ़कर 60,157.72 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 60,267.68 के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद 59,919.88 तक गिरा। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 98.25 अंक तकरीबन 0.56 फीसदी ऊपर आया। निफ्टी कारोबार के अंत में 17,722.30 अंक पर बंद हुआ। यह 17,748.75 के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद 17,655.15 तक गिरा। आज कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 20 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। कोटक बैंक, टाटा स्टील, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फिनसर्व सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयरों में शामिल रहे। गेनर्स रहे। सबसे अधिक 4.64 फीसदी कोटक बैंक के शेयर उछले। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 10 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। टीसीएस, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा और एशियन पेट्स के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। इसके अलावा टीसीएस के शेयरों भी करीब 1.78 फीसदी तक टूटे। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। प्री-ओपनिंग में बाजार में बढ़त देखने को मिली। एशियाई बाजारों में तो निक्केई, कोस्पी समेत हेंगसेंग में भी तेजी देखने को मिली। इसके अलावा अमेरिकी वायदा बाजार में सपाट ट्रेडिंग देखने को मिल रही है। अमेरिकी बाजार में महंगाई आंकड़ों से पहले सतर्क नजर आये।

अडाणी समूह के सभी शेयरों में तेजी रही

मुंबई । अडाणी समूह की कंपनियों के शेयर सोमवार को लाभ दर्शाते बंद हुए और कुछ कंपनियां अपनी ऊपरी सर्किट सीमा पर पहुंच गई। समूह के विभिन्न कंपनियों में निवेश के स्रोत बारे में जानकारी दिए ने के बाद उसकी कंपनियों के शेयर चढ़े। बीएसई में अडाणी ट्रांसमिशन, अडाणी ग्रीन एनर्जी और अडाणी टोटल गैस के शेयर क्रमशः पांच-पांच प्रतिशत लाभ में रहे। वहीं अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 2.53 प्रतिशत चढ़ा। इसके अलावा एसीसी में 1.63 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स में 1.57 प्रतिशत, अडाणी पावर में 0.96 प्रतिशत, एनडीटीवी में 0.18 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स 0.17 प्रतिशत और अडाणी विल्मर के शेयर में 0.02 प्रतिशत की तेजी आई। समूह के तीन कंपनियों के शेयर ने दिन के कारोबार के दौरान ऊपरी सर्किट सीमा को पार कर लिया। उद्योगपति गौतम अडाणी के समूह ने सोमवार को 2019 से अपनी कंपनियों में बेची गई कुल 2.87 अरब डॉलर की हिस्सेदारी का ब्योरा दिया। समूह ने साथ ही यह भी बताया कि किस तरह इस राशि का 2.55 अरब डॉलर हिस्सा दोबारा व्यापार में लगाया गया।

रिलायंस कैपिटल की दूसरी नीलामी कर्जदाताओं ने टाली

नई दिल्ली। कर्ज में फंसी रिलायंस कैपिटल लिमिटेड (आरसीएल) की मंगलवार को होने वाली दूसरी नीलामी कर्जदाताओं ने टाल दी है। कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) ने आरसीएल के लिए दूसरी ऑनलाइन नीलामी 11 अप्रैल को करने का कार्यक्रम तय किया था लेकिन इसे अब टाल दिया गया है। नई तारीख के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। इसके पहले पिछले हफ्ते भी नीलामी के दूसरे दौर को 11 अप्रैल तक के लिए टाला गया था। सूत्रों के मुताबिक हिंदुजा समूह की कंपनी आईआईएचएल, टॉरेंट इंवेस्टमेंट और सिंगापुर की ओकट्री ने दूसरे दौर की नीलामी में हिस्सा लेने की पुष्टि की हुई है। इसके पहले रिलायंस कैपिटल की बिक्री के लिए दिसंबर में ऑनलाइन नीलामी हुई थी जिसमें टॉरेंट इंवेस्टमेंट ने सर्वाधिक बोली लगाई थी। वहीं दूसरे स्थान पर रही आईआईएचएल ने नीलामी के बाद संशोधित बोली लगा दी जिसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 29 नवंबर, 2021 को रिलायंस कैपिटल के निदेशक मंडल को भंग करने के साथ नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त कर दिया था।

भारत चाहता है कि डब्ल्यूटीओ और प्रगतिशील बने, भिन्न राय को महत्व दे: सीतारमण

वॉशिंगटन,

भारत की ऐसी आकांक्षा है कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) और प्रगतिशील बने तथा भिन्न राय रखने वाले देशों को भी महत्व दे। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि जो देश अलग राय रखते हैं, डब्ल्यूटीओ को उन्हें अपनी बात रखने के पूरे मौके देना चाहिए।सीतारमण ने अमेरिका के विचार समूह 'पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स' में कहा, ''मैं चाहती हूं कि डब्ल्यूटीओ और अधिक प्रगतिशील बने, सभी देशों की बात सुने और सभी के प्रति निष्पक्ष रहे।'' उन्होंने आगे कहा, ''वर्ष 2014 से 2017 के बीच भारत की वाणिज्य मंत्री रहने के दौरान मैंने डब्ल्यूटीओ के साथ कुछ वक्त बिताया। इससे उन देशों की राय सुनने का अधिक मौका मिला जो कुछ अलग कहना चाहते थे।'' वित्त मंत्री ने कहा, ''अमेरिका की वाणिज्य मंत्री कैथरीन तई के शब्दों को याद करना उपयोगी होगा, जो उन्होंने हाल में कहे थे। परंपरागत व्यापार के तौर-तरीके वास्तव में क्या हैं, बाजार का उदारीकरण सही मायनों में क्या है? शुल्क में कटौती के लिहाज से इसका मतलब क्या होगा?'' उन्होंने आगे कहा, ''यह वह समय है जब देश इस बात पर विचार कर रहे हैं कि बाजार का उदारीकरण किस हद तक होना चाहिए। अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर लागत के लिहाज से इसके दुष्प्रभाव पड़े हैं और अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने भी ठीक यही कहा था। जो उन्होंने महसूस किया, वही मैंने 2014 और 2015 में महसूस किया था। हालांकि मेरी बात को वैश्विक मीडिया में यह जगह नहीं मिली थी। कई कम विकसित देश जिन्हें वैश्विक दक्षिण देश (लातिन अमेरिका, अफ्रीका, एशिया और ओशेनिया) कहा जाता है, वे भी यही मानते हैं।'' वित्त मंत्री ने कहा, ''यह वास्तव में क्या है? उदारीकरण की हद क्या है? शुल्क कटौती कितनी होनी चाहिए? भारत कम विकसित देशों यानी 'वैश्विक दक्षिण' के लिए यह कर रहा है।

भारत की सबसे कम विकसित देशों के लिए कोटा मुक्त, शुल्क मुक्त व्यापार नीति है। इसलिए ये देश जो आकांक्षी हैं लेकिन कम आय वर्ग वाले हैं वे भारत को इन पाबंदियों के बिना निर्यात कर सकते हैं।''

बैंकिंग आईटी सेवाओं की आउटसोर्सिंग के लिए आरबीआई के निर्देश जारी

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों एवं अन्य विनियमित वित्तीय इकाइयों में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाओं की आउटसोर्सिंग के लिए जारी अपने दिशानिर्देश में कहा कि इन वित्तीय इकाइयों को यह सुनिश्चित करना होगा कि आईटी सेवाओं के परिचालन का जिम्मा किसी बाहरी एजेंसी को दिए जाने से उनके दायित्वों एवं ग्राहकों के प्रति जिम्मेदारियों में कोई कमी न आने पाए। रिजर्व बैंक ने कहा कि विनियमित इकाइयां अपने कारोबारी मॉडल और उत्पादों एवं सेवाओं को समर्थन देने के लिए आईटी एवं आईटी-समर्थित सेवाओं को बड़े पैमाने पर अपना रही हैं। इस बारे में व्यापक दिशानिर्देश जारी करने के पीछे यह सोच है कि आउटसोर्सिंग से इन इकाइयों का ग्राहकों के प्रति दायित्व प्रभावित न हो और न ही उन पर केंद्रीय बैंक की प्रभावी निगरानी में कोई कमी आए। इसके लिए केंद्रीय बैंक ने कहा है कि बैंक यह सुनिश्चित करें कि आउटसोर्सिंग पर काम कर रही कंपनी भी सेवाओं के संबंध में उसी ऊंचे मानक का पालन करे जिस पर वह खुद चलता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि सेवा प्रदाता फर्म देश के भीतर है या बाहर। हालांकि आरबीआई ने बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों को इन निर्देशों के अनुपालन के लिए पर्याप्त समय देते हुए कहा है कि ये मानक एक अक्टूबर, 2023 से लागू होंगे। इसके साथ ही आरबीआई ने बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से आईटी सेवाओं को आउटसोर्स किए जाने की जरूरत का भी समीक्षा कर आकलन करने को कहा है।

मस्क ने प्रधानमंत्री मोदी को ट्विटर पर किया फॉलो

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को माइक्रोब्लागिंग साइट ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने ट्विटर पर फॉलो किया है। इस बात की जानकारी खुद उन्होंने एक ट्वीट करके दी है। गौरतलब है कि मस्क सिर्फ 195 लोगों को फॉलो करते हैं। जिसमें दुनिया भर की हस्तियां शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस सोशल साइट पर सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले नेताओं में से एक हैं। मोदी के ट्विटर पर फॉलोअर्स की संख्या 87 मिलियन से भी ज्यादा है। वहीं ट्विटर पर एलन मस्क के 13.3 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसके पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा इस लिस्ट में नंबर एक पर थे। ओबामा 2020 से ट्विटर पर सबसे ज्यादा फॉलोअर्स की लिस्ट में टॉप पर थे। ट्विटर की बात करें वो इस माइक्रोब्लागिंग साइट के 450 मिलियन मंथली एक्टिव यूजर्स हैं। एलन मस्क ने अक्टूबर, 2022 में ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदा था, तब इनके पास 110 मिलियन यूजर्स थे और ये बराक ओबामा एंड जस्टिन बीबर के बाद तीसरे सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले शख्स थे।

तेल- तिलहन कारोबार का मिलाजुला रुख रहा

- मूंगफली तेल तिलहन और सोयाबीन तिलहन के भाव पूर्वस्तर पर ही बंद हुए

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों के मिलेजुले रुख की वजह से सोमवार को तेल-तिलहन कीमतों में कारोबार का मिलाजुला रुख रहा। मलेशिया एक्सचेंज के 0.8 प्रतिशत मजबूत होने से कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल कीमतों में तेजी आई, वहीं शिकागो एक्सचेंज में 0.7 प्रतिशत की गिरावट की वजह से सोयाबीन तेल सहित सरसों तेल तिलहन कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। मूंगफली तेल तिलहन और सोयाबीन तिलहन के भाव पूर्वस्तर पर ही बंद हुए। बाजार सूत्रों के मुताबिक शुल्क मुक्त सोयाबीन और सूरजमुखी तेल तथा पाम एवं पामोलीन तेल के बीच दाम का अंतर और बढ़ गया है। सोमवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,345-5,440 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली 6,790-6,850 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,660 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल 2,535-2,800 रुपए प्रति टिन। सरसों तेल दादरी 10,550 रुपए प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी 1,670-1,740 रुपए प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी 1,670-1,790 रुपए प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 11,150 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 11,000 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 9,300 रुपए प्रति क्विंटल। सीपीओ एक्स-कांडला 8,850 रुपए प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,650 रुपए प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,300 रुपए प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स कांडला 9,450 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना 5,365-5,415 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज 5,115-5,215 रुपए प्रति क्विंटल। मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

इरेडा आईपीओ के लिए सरकार ने मर्चेंट बैंकरों से निविदा मंगाई

नई दिल्ली ।

सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी इरेडा में अपनी 25 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी शुरू कर दी है। सार्वजनिक इकाइयों के विनिवेश पर नजर रखने वाले निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने इरेडा के आईपीओ से संबंधित प्रक्रिया के संचालन के लिए मर्चेंट बैंकरों से निविदा आमंत्रित की। निविदा प्रस्ताव के मुताबिक बाजार नियामक सेबी के पास पंजीकृत पहली श्रेणी के मर्चेंट बैंकर अकेले या भागीदारी कर अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं। इसके लिए उनके पास पूंजी बाजार में सार्वजनिक निर्गमों के संचालन से जुड़ा अनुभव होना जरूरी है। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) के आईपीओ के लिए सरकार तीन मर्चेंट बैंकरों को नियुक्त कर सकती है। इसके लिए 28 अप्रैल तक बोलियां लगाई जा सकती हैं। इरेडा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत संस्था है जो नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ी परियोजनाओं का वित्तपोषण करती है। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इरेडा में सरकारी हिस्सेदारी की आंशिक बिक्री के लिए आईपीओ लाने की योजना को स्वीकृति दी थी।

हुंडई मोटर कर रही नई एसयूवी पर काम

-टाटा और मारुति की बढ़ा दी टेंशन

नई दिल्ली ।

हाल ही में हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने ऐलान किया है कि वे भारतीय बाजार के लिए एक नई एसयूवी पर काम कर रहे हैं। उम्मीद है कि इसे साल के आखिर तक उतारा जा सकता है। कुछ समय पहले इसे टेस्टिंग के दौरान भी देखा गया था। अभी तक हुंडई की ओर से नई एसयूवी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया गया है।

ह्यूदै नई छोटी एसयूवी के लिए एआई3 कोडनेम का उपयोग कर रही है। नई एसयूवी पर बात करते हुए हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के सीओओ श्री तरुण गर्ग ने कहा, हम एक बार फिर ग्राहकों को एक नई एसयूवी के साथ उत्साहित करने के लिए तैयार हैं जो जल्द ही बाजार में आ रही है। भारत के एक बड़ी कार निर्माता कंपनी के रूप में हमारा लक्ष्य ग्राहकों में घूमने की लालसा को बढ़ाना और हमारे सबसे पसंदीदा ग्राहकों के लिए हुंडई एसयूवी जीवन का लोकतंत्रीकरण करना है हुंडई की नई एसयूवी कंपनी की छोटी हैचबैक कार ग्रैंड आई10 नियोज से महंगी और वेन्यू से किफायती होगी। पहली नज़र में एआई3 के स्पाई शॉट्स काफी हद तक कैस्पर के समान लग रहे थे, जो वैश्विक बाजार में बेचा जा रही है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि हुंडई कैस्पर नहीं ला रही है और एआई3 के कैस्पर की तुलना में बड़े फुटप्रिंट होने की उम्मीद है। इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि ह्यूदै एआई3 ग्रैंड आई10 नियोज के समान प्लेटफॉर्म का उपयोग करेगी।

यह इंजन 82 बीएचपी की पावर और 113 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करता है। यह 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स या 5-स्पीड एएमटी के साथ आता है। फीचर्स के मामले में सनरूफ को छोड़कर कई मॉडर्न फीचर्स मिल सकते हैं, क्योंकि सेगमेंट की अन्य गाड़ियों में भी सनरूफ देखने को नहीं मिलता है। नई हुंडई एसयूवी में पावर के लिए 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन होगा, जो कई हुंडई मॉडल जैसे ग्रैंड आई10 नियोज , आई 20 और ऑरा में भी देखने को मिल जाता है।

वाशिंगटन पहुंची वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, IMF और वर्ल्ड बैंक समेत कई बैठकों में होंगी शामिल

इंटरनेशनल डेस्क:

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों में भाग लेने के लिए सोमवार को यहां पहुंची। इस दौरान वह जी-20 देशों का नेतृत्व करते हुए दुनिया के सामने खड़े ज्वलंत मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श करेंगी। एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही सीतारमण सोमवार को प्रतिष्ठित पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगी। वह यहां भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और वृद्धि विषय पर एक सभा को संबोधित करेंगी और संस्थान के सदस्यों के साथ बातचीत भी करेंगी। सीतारमण अपनी यात्रा के दौरान जिन प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल होंगी, उसमें अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वसंत बैठकें, भारत की जी20 अध्यक्षता और जी20 से संबंधित कार्यक्रम के तहत जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की दूसरी बैठक की मेजबानी, विश्व बैंक विकास समिति और आईएमएफ समिति का पूर्ण सत्र, वैश्विक अर्थशास्त्रियों और शोध संस्थानों के साथ बातचीत, द्विपक्षीय बैठकें और वैश्विक व्यापार जगत के नेताओं और निवेशकों के साथ गोलमेज बैठकें शामिल हैं। वित्त मंत्री शनिवार को यहां अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू द्वारा उनके सम्मान में आयोजित एक स्वागत समारोह में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करेंगी। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जी20 की बैठकों में अभी तक हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी। सीतारमण अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन से भी मिल सकती हैं।

पूरन और स्टोइनिस ने दिलायी जीत : राहुल

बेंगलुरु । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) पर मिली जीत से उत्साहित लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान लोकेश राहुल ने इस जीत का श्रेय निकोलस पूरन और मार्कस स्टोइनिस को दिया है। राहुल ने कहा कि इन दोनो ही खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन से उनकी टीम जीती है। इस मैच में जीत के लिए 213 रन के कठिन लक्ष्य को लखनऊ ने शुरुआती विकेट गिरने के बाद भी पूरन की तेज तर्रार पारी 62 रन और स्टोइनिस के 65 रन की सहायता से हासिल कर लिया। राहुल ने अंतिम गेंद पर मिली जीत के बाद कहा ,''अविश्वसनीय। चिन्नास्वामी स्टेडियम जहां खेलकर मैं बड़ा हुआ और यहीं सबसे ज्यादा मैचों के परिणाम आखिरी गेंद पर आते हैं। हमें पता था कि इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होगा। उन्होंने पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी की पर इसके बाद भी हमें पूरन और स्टोइनिस की पारियों से जीत मिली है। इसी कारण हमने पूरन, स्टोइनिस और आयुष बडोनी को टीम में लिया है। बडोनी लगातार एक अच्छे फिनिशर की भूमिका में रहा है। इस मैच में पहले बल्लेबाज करते हुए आरसीबी की शुरुआत अच्छी रही। विराट कोहली ने 44 गेंद में 61 बनाकर टीम को एक अच्छी शुरुआत दी। वहीं फाफ डु प्लेसिस ने 46 गेंद में 79 रन) और ग्लेन मैक्सवेल ने 29 गेंद, 59 रन बनाकर दूसरे विकेट के लिये 115 रन की साझेदारी करके टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

घरेलू मैदान में रॉयल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी सीएसके

शाम 7.30 से शुरु होगा मैच

चेन्नई ।

आईपीएल में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीमों के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। दोनो ही टीमों ने अब तक तीन-तीन मैच खेले हैं। जिससे में दोनो ही टीमों को दो-दो मैचों में जीत मिली है और एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार रहेगी क्योंकि उसे अपनी घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। जहां तक बल्लेबाजी ओर गेंदाजी की बात है दोनो ही टीमों के पासा अच्छे खिलाड़ी हैं। इसलिए मुकाबला बराबरी का है। सीएसके के पास कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के अलावा रुतुराज गायकवाड़ जैसा सलामी बल्लेबाज है। रुतुराज ने इस सत्र में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम के पास ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा और बेन स्टोक्स है पर टीम की गेंदबाजी कमजोर है। इसमें सभी खिलाड़ी युवा है। वहीं दूसरी ओर संजू सैमसन की राजस्थान के पास सलामी बल्लेबाज जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल हैं जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमक के खिलाफ तेजी से रन बना सकते हैं। टीम के पास शिमरोन हेटमायेर जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। वहीं गेंदबाजी में ट्रेंट बोल्ट और जैसन होल्डर के होने से उसे लाभ होगा। इसके अलावा टीम के पास कुलदीप यादव, एडम जाम्पा जैसे स्पिनर हैं हालांकि सीएसक से उसके ही घरेलू मैदान पर खेलना रॉयल्स के लिए आसान नहीं रहेगा। बटलर और जायसवाल ने अब तक दो-दो अर्धशतक लगाये हैं। बटलर का स्ट्राइक रेट 180.95 और जायसवाल का 164.47 रहा है।

रॉयल्स ने अभी तक तीन में से दो मैच गुवाहाटी में खेले जहां उन्हें सपाट पिच मिली थी। हैदराबाद की पिच भी बल्लेबाजों की सहायक थी। अब चेन्नई में पिच धीमे गेंदबाजों की सहायक रहेगी। ऐसे में टॉस की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। इस पिच पर 170 या 175 रन के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं रहेगा।

वह भी तब जब मोईन अली, रविंद्र जडेजा और मिशेल सेंटनेर जैसे गेंदबाज हों। तीनों ने अभी

तक तीन मैचों में 11 विकेट लिएहैं और उनका इकॉनामी रेट बहुत शानदार रहा है।

मोईन ने दो मैचों में 6.50 की औसत से गेंदबाजी की जबकि जडेजा और सेंटनेर ने भी प्रति ओवर सात से कम रन दिये हैं। मोईन पिछला मैच नहीं खेल सके थे पर अब वह सिसांडा मगाला की जगह खेलेंगे। वहीं स्टोक्स के फिट नहीं होने पर उनकी जगह ड्वेन प्रिटोरियस भाग लेंगे। रॉयल्स के स्पिनरों को भी हलके में नहीं लिया जा सकता। अनुभवी गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन को यहां घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा जबकि युजवेंद्र चहल एक मैच विजेता गेंदबाज हैं। स्थानीय खिलाड़ी मुरूगन अश्विन भी टीम में हैं।

सीएसके को हालांकि दीपक चाहर की कमी खलेगी। चाहर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। ऐसे में देखना होगा कि धोनी अब राजवर्धन हंगरगेकर और सिमरजीत सिंह में से किसे शामिल करते हैं।

आरसीबी के साथ मुकाबले के बाद विराट के साथ नजर आये गंभीर

नई दिल्ली।

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुकाबले के बाद सुपर जायंट्स के मेंटर गौतम गंभीर आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ नजर आये। ये दोनो ही दिग्गज एक दूसरे को गले लगते हुए नजर आये जबकि एक समय ये दोनो ही एकदूसरे के पक्के विरोधी माने जाते थे। इन दोनो के बीच आईपीएल मुकाबलों में कई बार टकराव हुआ था। मैच के दौरान ये दोनों दिग्गज एकदूसरे पर भड़क गये थे। उस प्रकरण पर बाद में दोनों की तरफ से ही सफाई भी दी गई थी। दोनों ने ही एक साथ टीम इंडिया में लंबे वक्त तक खेला है। विराट और गंभीर दोनो ने ही टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका भी निभाई है।

वहीं इस मैच में आरसीबी के प्रशंसक लगातार गौतम गंभीर और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ नारे लगा रहे थे। मैच इतना संघर्षपूर्ण का था कि ये पहले आरसीबी की ओर झुका और फिर लखनऊ सुपर जायंट्स ने मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन के बल पर वापसी की। अंत में फिर विराट कोहली की टीम हावी हुई लेकिन अंतिम गेंद पर लखनऊ ने फिर बाजी पलट दी। इस मैच में जीत के बाद भी गंभीर शांत बने रहे और उन्होंने आरसीबी के प्रशंसकों को भी शांत रहने को कहा।

ओडिशा के बिरसा मुंडा स्टेडियम में पहला हॉकी समर कैंप शुरू

ओडिशा के राउरकेला में बहुप्रतीक्षित हॉकी समर कैंप प्रतिष्ठित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में मंगलवार से शुरू हुआ। हॉकी समर कैंप का उद्घाटन अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी पीटर टिर्की, राउरकेला के एडिशनल एसपी संग्राम केशरी बेहरा और अनुभवी हॉकी कोच कालू चरण चौधरी और ओडिशा खेल विभाग के अधिकारियों ने किया।कैंप खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और हॉकी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ओडिशा सरकार के खेल और युवा सेवा विभाग की एक पहल है। अपनी तरह का पहला कैंप होने के कारण, शिविर में 6-16 आयु वर्ग के 750 से अधिक लड़के लड़कियों का पंजीकरण हुआ है। समर कैंप की देखरेख कर रहे नीलेश शेट्टी ने कहा कि पहले बैच में 465 बच्चों को समर कैंप में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा, हमने प्रतिभागियों को दो समूहों, 6-10 और 11-16 आयु समूहों, लड़कों और लड़कियों दोनों में विभाजित किया है। प्रत्येक 10 से 15 प्रतिभागियों के लिए एक कोच है, ताकि सभी बच्चों पर अधिक से अधिक ध्यान दिया जा सके। यह कैंप 11 से 22 अप्रैल तक 12 दिनों का होगा, जहां बुनियादी हॉकी अभ्यास के साथ-साथ अन्य गतिविधियां (ताकत और कंडीशनिंग, पोषण आदि) सिखाई जाएंगी। यह बच्चों को टीम वर्क सीखने और टर्फ पर मस्ती करते हुए नए दोस्त बनाने का अच्छा अवसर प्रदान करेगा। ओडिशा टीम के कोच लाजुरस बारला, प्रफुल तिर्की और राजन एक्का जूनियर कोचों के साथ शिविर की देखरेख करेंगे और प्रतिभाओं को तराशने का काम करेंगे। कैंप बच्चों में खेल और शारीरिक गतिविधि की आदत डालेगा और उनमें हॉकी को भी बढ़ावा देगा। दुनिया के सबसे बड़े हॉकी स्टेडियम में बच्चों को सर्वश्रेष्ठ कोचों से सीखने का मौका मिलेगा।

आईपीएल 2023 : ऑरेंज कैप की दौड़ में धवन सबसे आगे, पर्पल कैप के लिए वुड पहले नंबर पर पहुंचे

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र में हर एक मैच के साथ ही सबसे अधिक रन के लिए दी जाने वाली (ऑरेंज कैप) और सबसे अधिक विकेट के लिए दी जाने वाली (पर्पल कैप) के दावेदारों में बदलाव आता जा रहा है। अब तक सबसे ज्यादा रन बनाकर पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। ऑरेंज कैप के शीर्ष पांच दावेदारों में फाफ डुप्लेसिस और विराट कोहली भी शामिल हो गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में लखनऊ सुपर जाएंट्स के तेज गेंदबाज मार्क वुड सबसे आगे हो गये हैं जबकि पंजाब किंग्स के स्पिनर राशिद खान सबसे ज्यादा विकेट के मामले में दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। वुड ने 3 मैचों में 9 विकेट लिए हैं जबकि राशिद ने 8 विकेट लिए हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो धवन अभी भी एकमात्र बल्लेबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल के इस सत्र में 200 से ज्यादा रन बनाए हैं। शिखर धवन ने तीन पारियों में 99 रनों की सर्वश्रेष्ठ पारी के साथ कुल 225 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर ऋतुराज गायकवाड़ हैं।

वहीं ऋतुराज ने 189 रन बनाए हैं। तीसरे स्थान पर आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसिस हैं, जिन्होंने 3 मैचों में 175 रन बनाए हैं। विराट कोहली अब चौथे नंबर पर हैं, जिन्होंने तीन पारियों में दो अर्धशतकों के साथ ही कुल 164 रन बनाए हैं। आईपीएल 2023 में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की

सूची में पांचवें नंबर पर डेविड वॉर्नर हैं, जिन्होंने 158 रन बनाए हैं। सबसे अधिक रनों के मामले में तीसरे नंबर पर आरसीबी के विराट कोहली हैं अनके नाम 164 रन जबकि चौथे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के डेविड वॉर्नर हैं। वॉर्नर ने 158 रन बनाये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में वुड और राशिद के बाद तीसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं। चहल के नाम भी 8 विकेट हैं पर अधिक रन देने के कारण वह तीसरे स्थान पर हैं। लखनऊ के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई 6 विकेट लेकर चौथे अल्जारी जोसेफ इतने ही विकेट लेकर पांचवें नंबर पर हैं।

संक्षिप्त समाचार

बड़ी साझेदारी नहीं बना पाने से असफल हो रही मुम्बई : गावस्कर

मुम्बई । लिटिल मास्टर के नाम से लोकप्रिय बल्लेबाज रहे सुनील गावस्कर ने कहा है कि सलामी जोड़ी के बीच बड़ी साझेदारी नहीं बनने के कारण मुंबई इंडियंस को आईपीएल में हार का सामना करना पड़ा है। गावस्कर के अनुसार मुम्बई के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और इशान किशन अब तक एक बार भी बड़ी साझेदारी नहीं बना पाये हैं जिसका प्रभाव टीम पर पड़ा है। मुंबई को पहले दो मैचों में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उन दोनो ही मैचों में रोहित और इशान अच्छी शुरुआत नहीं दे पाये थे। गावस्कर ने कहा, 'मुंबई पिछले सत्र से ही अच्छी साझेदारियां नहीं बना पा रही है। साथ ही कहा कि तक आप बड़ी साझेदारी नहीं निभाते तब तक बड़ा स्कोर नहीं बनाया जा सकता है।' पिछले सत्र में भी इसी कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'मुंबई इंडियंस इस मामले में लगातार असफल रही है। रोहित शर्मा और इशान को आगे के मैचों में साझेदारी बनाने का प्रयास करना चाहिये।

हर्षल ने बनाया आईपीएल में सबसे तेजी से 100 विकेट लेने का रिकार्ड

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने आईपीएल के 16 वें सत्र में सबसे तेजी से 100 विकेट लेने का रिकार्ड अपने नाम किया है। हर्षल ने यहां लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मैच में यह उपलब्धि अपने नाम की। इसी के साथ ही उन्होंने सबसे तेजी से 100 आईपीएल विकेट का तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का रिकार्ड तोड़ा। जिन्होंने 81 इनिंग्स में 100 विकेट्स अपने नाम किए थे। वहीं ओवर ऑल की बात करें तो हर्षल दूसरे नम्बर पर हैं। पहले नम्बर पर लसिथ मलिंगा हैं जिन्होंने 70 पारियों में आईपीएल इतिहास में 100 विकेट्स अपने नाम किए हैं। वहीं हर्षल ने 81 मैचों की 79 पारियों में 23.23 की औसत और 8.52 की इकॉनमी रेट से 101 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 27 रन देकर पांच विकेट लेना रहा है। हर्षल शुरुआती ओवरों में रनों पर अंकुश नहीं लगा पाये पर अपने अंतिम दो ओवरों में केवल 13 रन देकर दो विकेट लेकर उन्होंने अच्छी वापसी की। साल 2012 में अपने आईपीएल सत्र शुरुआत के बाद से ही हर्षल ने दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी की ओर से खेल है।

वुड की शानदार गेंदबाजी से मिली जीत : पूरन

बेंगलुरू ।

लखनऊ सुपरजाइंट्स की ओर से शानदार बल्लेबाजी करने वाले निकोलस पूरन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ जीत का श्रेरु तेज गेंदबाज मार्क वुड को दिया है। पूरन ने कहा कि वुड ने अंतिम ओवर में शानदार गेंदबाजी की थी। इसी कारण मेजबान टीम को 212 रनों पर रोका जा सका था। वुड ने आरसीबी की पारी के अंतिम ओवर में केवल नौ रन दिए और तेजी से बल्लेबाजी कर रहे ग्लेन मैक्सवेल को भी पेवेलियन भेज दिया। लखनऊ ने पावर प्ले में 23 रन के अंदर तीन विकेट होने के बाद भी एक विकेट से मुकाबला अपने नाम किया। पूरन ने वुड की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका अंतिम ओवर शानदार था जिससे हम मैच में बने रहे। आज के प्रदर्शन से मैं वास्तव में हैरान नहीं हूं। यह अच्छी पिच थी और बाउंड्री छोटी थी।

उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि 220 से अधिक रन का लक्ष्य हम पर मनोवैज्ञानिक तौर पर अतिरिक्त दबाव डालता पर 213 रन के लक्ष्य के सामने हमें लगा कि इसे हासिल किया जा सकता है। पूरन ने शुरूआत में ही विकेट लेने के लिए आरसीबी के गेंदबाजों वायने पार्नेल और मोहम्मद सिराज की भी तारीफ की पर कहा कि आईपीएल में हर टीम के पास निचले क्रम में भी अच्छे बल्लेबाज हैं और एक या दो अच्छी

साझेदारी मैच का रुख बदल देती है। उन्होंने कहा, 'निश्चित तौर पर श्रेय आरसीबी के गेंदबाजों पार्नेल और सिराज को जाता है लेकिन यह क्रिकेट का खेल है। प्रत्येक टीम के पास लंबा बल्लेबाजी क्रम है। केएल राहुल और मार्कस स्टोइनिस के बीच साझेदारी से हमने वापसी की। इस मैच मैच में पूरन ने भी 19 गेंदों पर 62 रन बनाये थे। उन्होंने केवल 15 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया और आयुष बडोनी के साथ 84 रन की साझेदारी की।

सुपरजायंट्स आईपीएल में सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने वाली टीम बनी

बेंगलुरु । लखनऊ सुपरजायंट्स ने आईपीएल के 16 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरबीबी) के खिलाफ अंतिम गेंद पर मैच जीतने के साथ ही एक अहम रिकार्ड आने नाम किया है। सुपरजायंट्स अब आईपीएल में सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने में सफल होने वाली पहली टीम बन गयी है। लखनऊ ने मार्कर्स स्टॉयनिस के 65 और निकोलस पूरन के 62 रनों की सहायता से आरसीबी पर एक विकेट से जीत दर्ज की। इस दौरान उसने 213 रनों के सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल किया। इससे पहले सबसे बड़े लक्ष्य के खिलाफ जीत का रिकार्ड चेन्नई सुपर किंग्स (सीएकसके) सीएसके और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के नाम है। सीएसके ने साल 2018 में केकेआर ने साल 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ 206 रनों का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया था। इस मैच में आरसीबी`न विराट कोहली के 61 रन और कप्तान फाफ डु प्लेसिस के 79 रनों के अलावा ग्लेन मैक्सवेल के 59 रनों की सहायता से 212 रन बनाये थे।

अब तक केवल अक्षर ही अच्छा प्रदर्शन कर पाया : आमरे

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे ने कहा है कि अब तक केवल अक्षर पटेल ही अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं। वहीं अन्य खिलाड़ी नाकाम रहे हैं। ऐसे में कोच ने कहा कि इस सत्र में वे अक्षर को अधिक प्रमुख भूमिका दे सकते हैं। दिल्ली की बल्लेबाजी अब तक निराशा जनक रही है, उसकी फील्डिंग और गेंदबाजी भी कमजोर रही है। अक्षर ने बल्लेबाजी में इसके बाद भी अच्छा प्रदर्शन किया है। आमरे ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 36 रनों की पारी खेली थी। आमरे ने में कहा, हमारे पास अक्षर के साथ एक अच्छा विकल्प है। वह अब पांच साल से हमारे साथ है। जिस तरह से उसने बल्लेबाजी की है वह शानदार है। वह एक उम्मीदवार है, खासकर जब से वह बाएं हाथ का बल्लेबाज है। यह हमारे दिमाग में है कि कैसे हम उसका सबसे अच्छा उपयोग कर सकते हैं। वहीं कप्तान डेविड वार्नर को छोड़कर, शीर्ष क्रम का कोई भी बल्लेबाज अभी तक पिच पर नहीं टिक पाया है। वार्नर ने रन बनाये हैं पर उनका स्ट्राइक रेट 117.04 के साथ बेहद कम रहा है। वहीं उनके सलामी जोड़ीदार पृथ्वी शॉ का प्रदर्शन और भी खराब रहा, उन्होंने तीन पारियों में केवल 19 रन बनाए। आमरे ने कहा, पृथ्वी एक सक्षम बल्लेबाज है। लेकिन हां, उसने हमारी उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं किया है। हमें उम्मीद है कि वह आने वाले मैचों में हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन करेगा। हम सभी जानते हैं कि उसके पास क्षमता है, यह मायने रखता है कि वह कहां क्लिक करता है।

स्टेडियमों को लेकर मिल रहीं लगातार शिकायतें, विश्व कप से पहले बीसीसीआई उठा सकता है बड़ा कदम

नई दिल्ली।

भारत में अक्टूबर नवंबर में होने वाले वनडे विश्व कप से पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड देश में कम से कम पांच बड़े स्टेडियमों का नवीनीकरण करने जा रहा है। पिछले दस साल में भारतीय क्रिकेट में जमकर पैसा आया है जिससे बीसीसीआई दुनिया का सबसे अमीर बोर्ड बन गया, लेकिन अधिकांश स्टेडियमों में दर्शकों के लिये में भारत और आस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज के दौरान दर्शकों ने अरूण जेटली स्टेडियम में गंदे टॉयलेट को लेकर जमकर गुस्सा निकाला था। सूत्रों के अनुसार दिल्ली के अलावा हैदराबाद, कोलकाता , मोहाली और मुंबई में भी स्टेडियम को बेहतर बनाया जाएगा। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में काम शुरू हो चुका है। पांचों मैदानों में नवीनीकरण के इस काम पर करोड़ों रूपये खर्च होंगे। दिल्ली स्टेडियम में इस प्रोजेक्ट 17 करोड़, ईडन गार्डस पर 127 . 47 करोड, मोहाली पर 79 . 46 करोड़ और वानखेड़े स्टेडियम पर 78 . 82 करोड़ रूपये खर्च आएगा। विश्व कप के लिये 12 स्थानों का चयन किया गया है जिनमें अहमदाबाद, बेंगलुरू, चेन्नई, दिल्ली, धर्मशाला, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, इंदौर, राजकोट और मुंबई शामिल हैं। विश्व कप के दौरान 46 दिन में 48 मैच खेले जायेंगे

कप हुआ था जब महेंद्र सिंह धोनी की

कैलगरी में नेसविले के टायसन बेरी और केलगरी के एलेक्स स्कोटीबैक

सूरत में आयोजित 'प्राकृतिक खाद्य एक्सपो-2023' का उद्घाटन करते हुए राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रतजी

सूरत ।

औद्योगीकरण ने जहां पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ दिया है, वहीं रासायनिक खाद के बिना जीरो बजट प्राकृतिक खेती किसानों के लिए समृद्धि के द्वार खोल रही है. रासायनिक खेती कर रही प्रकृति को गंभीर नुकसान, प्राकृतिक खेती कर नई पीढ़ी को दें उपजाऊ मिट्टी का तोहफा क्योंकि प्राकृतिक खेती से स्वस्थ समाज और शक्तिशाली भारत का निर्माण होगा- राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत ने स्वामीनारायण सत्संग सेवा ट्रस्ट द्वारा गोपिन गांव, मोटा वराछा, अब्रामा रोड, सूरत में आयोजित 'नेचुरल फूड एक्सपो-2023' का उद्घाटन करते हुए कहा.

11 से 14 अप्रैल तक आयोजित फूड एक्सपो में प्रदेश भर से जैविक खेती करने वाले 300 किसान 250 स्टालों पर सीधे कृषि उत्पाद, जहरीले रसायनों से मुक्त प्राकृतिक पद्धति से उत्पादित अनाज का विक्रय कर रहे हैं. राज्यपाल ने इन स्टालों पर जाकर विभिन्न जैविक कृषि उत्पादों का अवलोकन किया और किसानों को प्रोत्साहित किया।

प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक किसानों के बाद अब उद्योगपति भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, इस पर उन्होंने विशेष प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि गुजरात महापुरुषों की भूमि है। जबकि गुजरात भूमि में किसी भी जन आंदोलन का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है, उम्मीद है कि गुजरात प्राकृतिक खेती का एक मॉडल राज्य बन जाएगा और पूरे भारत के लिए एक दिशा निर्धारित करेगा।

राज्यपाल ने गाय आधारित प्राकृतिक खेती को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें किसानों और कृषि को समृद्ध करने वाली प्राचीन प्राकृतिक खेती को अपनाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की कि गुजरात के चार लाख किसान पहले ही प्राकृतिक खेती से जुड़ चुके हैं और कहा कि आने वाले दिनों में 10 लाख किसानों को जोड़ने का लक्ष्य पूरा कर लिया गया है। जैविक खेती में समाज और प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन की अवधारणा शामिल है। 'शरीरमद्य खलु धर्म साधनम्- उत्तम स्वास्थ्य ही खड़ी धर्म साधना' का मंत्र अनादि काल से हमें स्वस्थ शरीर का महत्व समझाता आ रहा है। राज्यपाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के खिलाफ स्वस्थ समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जैविक खेती उपयोगी होगी।

पानी का मूल्य समझकर भविष्य के लिए पानी बचाना सभी का नैतिक कर्तव्य: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पानी का मूल्य समझकर भविष्य के लिए पानी बचाना हर किसी का नैतिक कर्तव्य है। इतना ही नहीं, उन्होंने कम पानी में अधिक खेती और सिंचाई के लिए ड्रिप इरिगेशन यानी टपक सिंचाई प्रणाली का दायरा बढ़ाकर हरित क्रांति को गति देने का भी आह्वान किया है। मंगलवार को गांधीनगर में गुजरात राज्य उद्वहन पियत सहकारी संघ की ओर से मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया गया, जिसकी प्रतिक्रिया उन्होंने इस प्रेरक आह्वान से दी। इस अभिनंदन कार्यक्रम में राज्य के सभी 33 जिलों की लगभग 286 से अधिक उद्वहन पियत सहकारी मंडलियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने सिंचाई योजनाओं की दक्षता में वृद्धि करने और पानी की कम सुविधा वाले क्षेत्रों में सिंचाई सुविधा को बढ़ाने तथा ढांचागत सुविधाएं विकसित करने के लिए उद्वहन सिंचाई यानी लिफ्ट इरिगेशन तथा टपक सिंचाई यानी ड्रिप इरिगेशन सहित उद्वहन पियत सहकारी मंडलियों के लिए जो उदार दृष्टिकोण दिखाया है, उस संबंध में गुजरात राज्य उद्वहन पियत सहकारी संघ की ओर से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से गुजरात और भारत ने दुनिया में विकास की अनूठी पहचान बनाई है। उन्होंने यह अनुरोध भी किया कि च्छम उसका पूरा लाभ उठाकर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास मंत्र के साथ कर्तव्यरत रहें।ज्ज गुजरात राज्य उद्वहन पियत सहकारी संघ के नेता चेयरमैन देवशीभाई और हसुभाई आदि ने राज्य सरकार से मिल रहे सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए सभी की ओर से आभार व्यक्त किया।

डॉन अतीक अहमद ने जेल के बाहर कहा.....वे मुझे मारना चाहते हैं

अहमदाबाद। फिर से गैंगस्टर अतीक को अहमदाबाद से प्रयागराज लाने के लिए यूपी पुलिस साबरमती जेल से रवाना हो गई है। गैंगस्टर अतीक अहमद और उनके बेटे सहित 13 लोगों के खिलाफ उमेश पाल अपहरण के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। हत्या के मामले में पेशी के लिए साबरमती जेल से प्रयागराज ले जाए जाने पर गैंगस्टर अतीक अहमद ने कहा कि यह सही नहीं है। वे मुझे मारना चाहते हैं। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा जो अपराध करेगा एफआईआर उसी के लिए है, कड़ी से कड़ी सजा कानून के शिकंजे में लाकर दिलाई जाएगी। कोई कितना भी बड़ा अपराधी हो, उसकी ताकत कानून के सामने छोटी पड़ जाएगी।

बता दें कि उमेशपाल अपहरण मामले में अदालत ने प्रयागराज एमपी-एमएलए कोर्ट ने उमेश पाल अपहरण मामले में माफिया से नेता बने अतीक अहमद, दिनेश पासी और खान सौलत हनीफ को उम्रकैद की सजा सुना दी थी। उस पर 5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था। 25 जनवरी 2005 को बसपा विधायक राजू पाल की हत्या के बाद तत्कालीन जिला पंचायत सदस्य उमेश पाल ने पुलिस को बताया था कि वह हत्याकांड का चश्मदीद गवाह है। उमेश ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने अतीक अहमद के दबाव में पीछे हटने और झुकने से इनकार कर दिया, तब 28 फरवरी, 2006 को बंदूक की नोक पर उनका अपहरण कर लिया गया। प्राथमिकी 5 जुलाई, 2007 को अहमद, उनके भाई और चार अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की गई थी।

उमेश पाल की इसी साल 24 फरवरी को उनके प्रयागराज आवास के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ पर जेल में रहते हुए उमेश पाल को मारने की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया गया है।

एलडी इंजीयनियरींग कॉलेज के प्रोफेसर की आत्महत्या की घटना दुःखद : कांग्रेस

अहमदाबाद। गुजरात कांग्रेस ने अहमदाबाद की एलडी इंजीनियरींग कॉलेज के प्रोफेसर के आत्महत्या को काफी दुःखदायी बताते हुए पूरे मामले की तटस्थ जांच कराने की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि आशास्पद प्रोफेसर को आत्महत्या करनी पड़े इस हद तक उन पर काम का बोझ होने का परिवार ने आरोप लगाया है। टेनिकल शिक्षा के प्रति भाजपा सरकार के सौतेले व्यवहार पर प्रहार करते हुए मनीष दोशी ने कहा कि स्वैच्छिक निवृत्ति, आयु निवृत्ति, इस्तीफा, अन्य नौकरी में जाना, पदोन्नति मिलना और निधन जैसे विभिन्न कारणों से डिग्री व डिप्लोमा इंजीनियरींग कॉलेजों में काफी समय से बड़ी संख्या में पद खाली हैं। सरकारी इंजीनियरींग कॉलेज में वर्ग 1 की 276 पद रिक्त हैं। जिसकी वजह से प्रोजेक्ट, रिसर्च, इनोवेशन में पर्याप्त काम नहीं होता। गुजरात में सरकारी इंजीनियरींग कॉलेज में वर्ग 189, वर्ग 3 में 310 और वर्ग 4 में 265 जगह खाली हैं, जो इंजीनियरींग शिक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि इंजीनियरींग कॉलेज में 2744 मंजूर अध्यापकों के पदों में 1000 पद खाली हैं। बड़े पैमाने पर अध्यापकों की कमी के कारण काम का काफी बोझ होता है। विद्यार्थियों से फीस वसूली, बिल बनाने, विद्यार्थियों से नौकरी तलाशने इत्यादि की कार्यवाही प्रोफेसरों से कराई जा रही है। प्रोफसरों के पास वर्ग 3-4 का काम भी कराया जाता है। उन्होंने कहा कि गुजरात में इंजीनियरींग डिग्री-डिप्लोमा कॉलेज के अध्यापकों से शिक्षा के अतिरिक्त प्रशासनिक कार्य का बोझ होने से वह मानसिक तनाव में हैं। बार बार पेशकश के बावजूद टेकनिकल शिक्षा के प्रति भाजपा सरकार का सौतेला व्यवहार बरकरार है। भाजपा सरकार की अनिर्णायकता के कारण सरकारी इंजीनिरींग कॉलेज के अध्यापकों को 12 साल बाद भी उच्च वेतन मान नहीं मिल रहा। गुजरात कांग्रेस मांग करती है कि डिग्री-डिप्लोमा कॉलेज में प्राध्यापकों के रिक्त पदों पर जल्द भर्ती की जाए और उनसे शिक्षा को अतिरिक्त और काम ना करवाया जाए। साथ ही एलडी इंजीनियरींग कॉलेजके प्राध्यापक की आत्महत्या के मामले में निष्पक्षता के साथ जांच कराई जाए।

कुत्ते के काटने पर एंटी रैबीज का इंजेक्शन ना लगवाना वृद्ध को पड़ा महंगा

सूरत।

शहर में आवारा कुत्तों का आतंक रुकने का नाम नहीं ले रहा। कुत्ते के काटने से एक और मौत हो गई। सूरत के नए सिविल अस्पताल में उपचार के दौरान एक वृद्ध ने दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक सूरत के एक वृद्ध को चार महीने पहले आवारा कुत्ते ने काट लिया था। कुत्ते के काटने के बाद एंटी रैबीज इंजेक्शन लेना अनिवार्य होता है। लेकिन वृद्ध इंजेक्शन नहीं लगवाया। समय पर इंजेक्शन ना लगाए जाने से वृद्ध को रैबीज की बीमारी लग गई। दो दिन पहले इसका असर दिखने पर वृद्ध को सूरत के नए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान वृद्ध ने दम तोड़ दिया। इसलिए जरूरी है कि कुत्ते के काटने पर सबसे पहले एंटी रैबीज का इंजेक्शन लगवाएं। टिटनेस का इंजेक्शन घाव ठीक करने के लिए नहीं होता बल्कि एक वैक्सीन की तरह काम करता है। कुत्ते के काटने से सूरत में मौत की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले पिछले महीने सूरत के भेस्तान क्षेत्र में कुत्तों के झुंड ने 6 साल बच्चे पर हमला कर दिया। कुत्तों के झुंड ने बच्चे को बुरी तरह नोंच लिया था। गंभीर हालत में बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मार्च महीने में सूरत के खजोद क्षेत्र में रहने वाली 2 वर्ष की बच्ची को कुत्तों ने अपना शिकार बनाया था। कुत्तों के हमले में बुरी तरह से घायल बच्ची की भी उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

वॉल्वो कार इंडिया ने 200वां प्योर इलेक्ट्रिक एक्ससी40 रिचार्ज डिलीवर कर एक और उपलब्धि का जश्न मनाया

नई दिल्ली ।

वॉल्वो कार इंडिया ने आज अपने दो सौवें ऑल इलेक्ट्रिक एक्ससी40 रिचार्ज की डिलीवरी की घोषणा की। वॉल्वो एक्ससी40 रिचार्ज भारत की पहली स्थानीय रूप से असेंबल की गई लग्जरी इलेक्ट्रिक एसयूवी है, जो वोल्वो के बेंगलुरु, कर्नाटक फैसिलिटी में है। पहला XC40 रिचार्ज नवंबर 2022 में डिलीवर किया गया था और इसने अपने शानदार डिजाइन, इनोवेटिव टेक्नोलॉजी और पर्यावरणीय दक्षता के लिए विभिन्न श्रेणियों में कई सम्मान प्राप्त किए हैं।

"दो सौवें XC40 रिचार्ज की डिलीवरी वास्तव में एक मील का पत्थर है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के बाद भी हमारे ग्राहकों ने अपनी कारों के लिए धैर्यपूर्वक इंतजार किया, जो वोल्वो ब्रांड में उनके विश्वास को दर्शाता है। यह मील का पत्थर 2030 तक पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कंपनी बनने की दिशा में हमारे संकल्प को और मजबूत करता है।

2030 तक, कंपनी केवल शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहनों की पेशकश करना चाहती है और हाइब्रिड सहित सभी आंतरिक दहन इंजन वाहनों को चरणबद्ध करना चाहती है। यह कंपनी की विश्वव्यापी जलवायु योजना के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य निरंतर व्यावहारिक कार्रवाई द्वारा प्रति कार कार्बन फुटप्रिंट को कम करना है।

सूरत में डॉ. रवि आर. कुमार द्वारा तीन दिवसीय "ट्रेडर्स फेस्टिवा 2023" कार्यक्रम

सूरत भूमि, सूरत।

तीन दिवसीय ट्रेडर्स फेस्टिवा 2023 का आयोजन सूरत शहर में किया गया। आयोजक डॉ. रवि आर. कुमार द्वारा शेयर बाजार की जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम शेयर बाजार प्रशिक्षण और ट्रेडिंग जागरूकता के लिए आयोजित किया गया था। इस इवेंट में सदस्यों को बताया गया कि भारत की अर्थव्यवस्था कैसे सुधरेगी, स्टोक सिलेकशन भी सिखाया गया। स्टॉक ट्रेडिंग के लिए कोई आयु सीमा नहीं है। इस आयोजन में 5 वर्ष से लेकर 75 वर्ष तक के लोगो ने सदस्य के रूप में भाग लिया। लोगों के बीच स्टॉक मार्केटिंग के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए केटीपी छात्रों द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें डॉ रवि आर. कुमार ने बताया कि सूरत में बहुत से लोग ट्रेडिंग करते हैं पर पल्स के बारे में कोई भी नहीं जानता बहुत से लोगों को लगता है कि ये जुआ है पर ऐसा नहीं है ट्रेडिंग कोई जुआ नहीं है। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन अवध यूटोपिया, सूरत में किया गया था।

क्रिक सर्विस रेस्टोरेंट चेन अजय'स ने नवसारी में अपनी अत्याधुनिक फैक्ट्री का उद्घाटन किया

सूरत। प्रत्येक व्यक्ति को गुणवत्तायुक्त भोजन किफायती दाम पर उपलब्ध कराने के मिशन के साथ आगे बढ़ रही अजय'स की विश्वसनीय त्वरक (क्रिक सर्विस रेस्टोरेंट) चेन ने नवसारी में अपनी अत्याधुनिक फैक्ट्री का उद्घाटन किया। 44,000 वर्ग फुट के उत्पादन क्षेत्र के साथ 1.50 लाख वर्ग फुट के क्षेत्र में यह फैक्ट्री बनाई गई है। फैक्ट्री में कोल्ड कॉफी, बर्गर बन, पिज्जा ब्रेड, मेयोनीज, बर्गर पैटी और पिज्जा सॉस जैसे उत्पाद तैयार किए जाएंगे। महत्वपूर्ण है कि यह फैक्ट्री लोगों के लिए रोजगार का एक जरिया भी बनेगी। यह फैक्ट्री 800 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर देगी।

अजयन्स गुड फूड प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक निदेशक जयदीप सोलंकी ने इस अवसर पर कहा कि "हम अपनी गुड फूड फैक्ट्री का उद्घाटन करने के लिए उत्साहित हैं, जो एक फास्ट फूड ज्वाइंट से शुरू कर देश में अग्रणी QSR श्रृंखला (चेन) तक हमारी यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह देश के लोगों को उचित मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाला भोजन उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम मानते हैं कि इस फैक्ट्री से हम प्रतियोगियों से आगे रहने में सक्षम होंगे और अपने ग्राहकों के भोजन के बढ़ते विकल्पों को पूरा करेंगे।

इस अवसर पर अजय सोलंकी, अजय'स गुड फूड प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक निदेशक ने कहा च्हमने अपना पहला आउटलेट नवसारी में वर्ष 2014 में लॉन्च किया था और तब से हमारा मिशन सभी को उचित मूल्य पर अच्छा भोजन उपलब्ध कराना है। देश के 37 शहरों में 126 आउटलेट के साथ अजय हाईजेनिक और किफायती कोल्ड कॉफी, बर्गर और पिज्जा चाहने वालों के लिए पसंदीदा जगह बन गई है। हमारी नई फैक्ट्री के साथ हम कई उत्पादों की गुणवत्ता को और भी बेहतर निर्धारित कर सकेंगे जो हमें तेजी से विकास करने में सहायता करेगा।

अजय'स की सफलता कहानी भारत में क्रिक सर्विस रेस्टोरेंट उद्योग को परिभाषित करने की एक बड़ी मिशन की शुरुआत है। इसका मुख्य ध्यान गुणवत्ता से भरी सामग्री, स्वच्छ आउटलेट और त्वरित सेवा पर है जो पूरे देश में क्रिक सर्विस रेस्टोरेंट श्रृंखलाओं के लिए एक नया मानक स्थापित कर चुका है। इससे भारत में एक और समावेशी और गतिशील खाद्य क्षेत्र बन रहा है।

अजय'स को एक सफल (त्वरक) क्यूएसआर श्रृंखला (चेन) के रूप में जाना जाता है। अजयन्स में मौजूद टीम भारत के युवाओं को सशक्त बनाने और भारतीय खाद्य क्षेत्र (फूड सेक्टर) में उद्यमशीलता के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। अजयस के निशांत कर्मचारियों का संघठन नए उद्यमियों को आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण समर्थन और उद्यमशीलता प्रदान करके अपने सपने साकार करने की एक नयी उम्मीद जाग्रत करते हैं।

अजय'स की QSR (क्यूएसआर) श्रृंखला (चेन) ने 120 से अधिक लोगों को उनके उद्यमशीलता के सपनों को साकार करने में मदद की है और आउटलेट्स में 600 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए हैं।

एक सतत और ऊर्जा कुशल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी गजट अधिसूचना (दिनांक 14 सितंबर 1999, 3 नवंबर 2009 और 25 जनवरी 2016 को संशोधित और 31 दिसंबर 2021 को संशोधित) के अनुसार केंद्र सरकार ने उत्खनन के नियंत्रण को विनियमित किया है ईंटों के निर्माण के लिए ऊपरी मिट्टी और भवन निर्माण सामग्री के निर्माण में फ्लाई ऐश के उपयोग को प्रोत्साहित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

अब सभी भवन निर्माण परियोजनाओं (केंद्रीय, राज्य और स्थानीय प्राधिकरणों, सरकारी उपक्रमों, अन्य सरकारी एजेंसियों और सभी निजी एजेंसियों) के लिए फ्लाई ऐश आधारित ब्लॉकों का उपयोग करना अनिवार्य है। 10 लाख से अधिक आबादी वाले और निर्मित क्षेत्र वाले सभी शहरों में कोयला/लिग्नाइट आधारित थर्मल पावर प्लांट से 300 किमी के दायरे में सभी भवन निर्माण परियोजनाओं में फ्लाई ऐश आधारित ईंटों/ब्लॉकों का उपयोग किया जाना चाहिए। सभी सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों में 1000 वर्ग फुट से अधिक।

बैंकों को केवल फ्लाई ऐश आधारित ईंटों/ब्लॉकों का उपयोग करके बनाई गई परियोजनाओं के लिए गृह ऋण या निर्माण ऋण प्रदान करना आवश्यक है। तो स्पष्ट रूप से लाल मिट्टी की ईंटों के नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावों को संबोधित करने का सही समय है, जो अभी भी उनकी उपलब्धता, कम दरों और एएसी/फ्लाई ऐश ब्लॉक और फ्लाई ऐश ईंटों जैसी वैकल्पिक दीवारों की तकनीकों के बारे में जागरूकता की कमी के कारण निर्माण में उपयोग की जा रही हैं।

अधिक टिकाऊ और ऊर्जा कुशल एएसी/फ्लाई ऐश ब्लॉक, जो भारत सरकार द्वारा भी समर्थित हैं, लाल मिट्टी की ईंटों पर कई फायदे प्रदान करते हैं। लाल मिट्टी की ईंटें बनाने के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है और इस प्रक्रिया में पर्यावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की महत्वपूर्ण मात्रा निकलती है। इस प्रक्रिया से न केवल कार्बन डाइऑक्साइड बल्कि अन्य हानिकारक गैसें जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड भी वायुमंडल में छोड़ी जाती हैं। इसके अलावा, ईंट उत्पादन के लिए मिट्टी के खनन से मिट्टी का क्षरण होता है और इस खनन से जैव विविधता और आवासों का विनाश होता है। लाल मिट्टी की ईंटों से बनी इमारतों में पर्यावरणीय गिरावट में योगदान देने के साथ-साथ खराब इन्सुलेशन होता है, जिससे हीटिंग और कूलिंग के लिए उच्च ऊर्जा खपत हो सकती है। यह ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन में भी नकारात्मक योगदान देता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)